



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 12] नई दिल्ली, शनिवार, मार्च 19, 1977 (फाल्गुन 28, 1898)

No. 12] NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 19, 1977 (PHALGUNA 28, 1898)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 23 फरवरी 1977

सं० ए० 12025(II)/3/74-प्रशा० III—अपने प्रशिक्षण की समाप्ति पर, जो सचिवालय प्रशिक्षण एवं प्रबंध संस्थान, दिल्ली में 1 जुलाई, 1976 से प्रारम्भ हुई थी, निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों ने, जिन्हें कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 27 अगस्त, 1976 द्वारा संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में परीक्षाधीन नियुक्त किया गया था, 1 फरवरी, 1977 के पूर्वान्त से उसी संवर्ग में अनुभाग अधिकारी (परि-वीक्षाधीन) का कार्यभार संभाल लिया।

क्रम सं० नाम

1. श्री मुकुन्द बिहारी रे
2. श्री कृष्ण कुमार झा

डी० के० लाल,
उप सचिव (प्रशासन)
संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स

नई दिल्ली-110001, दिनांक 2 मार्च 1977

सं० ओ० II-6/71-स्था०—श्री जे० के० बालानी, भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी, ने राजस्थान राज्य में प्रत्यावर्तन के फलस्वरूप दिनांक 14 फरवरी, 1977 के अपराह्न से केन्द्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स के उप महानिरीक्षक अजमेर के पद का कार्यभार छोड़ा।

सं० एफ० 1/3/76-स्था० (सी० आर० पी० एफ०)---राष्ट्रपति त्रिगेडीयर अजीत सिंह (अवकाश प्राप्त) को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स के महानिदेशालय में उप निदेशक (संचार) के पद पर प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त करते हैं।

2. त्रिगेडीयर अजीत सिंह ने वायरलेस सलाहकार के पद का कार्यभार दिनांक 27-8-76 पूर्वान्त से छोड़ा और उप निदेशक (संचार) के पद का कार्यभार दिनांक 27-8-76 के पूर्वान्त से केन्द्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स के महानिदेशालय में गृहण किया।

एम० के० बन्द्योपाध्याय
सहायक निदेशक (प्रशासन)

भारत के महापंजीकार का कार्यालय
नई दिल्ली-110011, दिनांक 25 फरवरी 1977
सं० 11/10/76-प्रशा० I—राष्ट्रपति, इस कार्यालय की
तारीख 9 सितम्बर, 1976 की समसंख्यांक अधिसूचना के

अनुक्रम में श्री जगदीश सिंह की दिल्ली में उप निदेशक,
जनगणना कार्य के पद पर तदर्थ नियुक्ति की अवधि को 1
मार्च, 1977 के पूर्वार्द्ध से 27 अगस्त, 1977 तक, सहर्ष
बढ़ाते हैं।

श्री जगदीश सिंह का मुख्यालय दिल्ली में ही रहेगा।

दिनांक 28 फरवरी 1977

सं० 11/4/76-प्रशासन—राष्ट्रपति, निम्नलिखित अधिकारियों को उनके नामों के सामने दिए गए कार्यालयों में सहायक
निदेशक, जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर तदर्थ नियुक्ति की अवधि को 1 मार्च, 1977 की पूर्वार्द्ध से 8 अप्रैल, 1977
तक या जब तक यह पद नियमित आधार पर भरा जाएगा, जो भी समय इनमें पहले हो, सहर्ष बढ़ाते हैं :—

क्र० सं०	नाम	जनगणना कार्य निदेशालय	मुख्यालय	पिछला संदर्भ
1	2	3	4	5
1.	श्री के० एस० डे	असम	गोहाटी	11/4/76-प्रशा० / दिनांक 28-8-76
2.	श्री आर० बी० सिंह	बिहार	पटना	11/4/76-प्रशा० / दिनांक 26-10-76
3.	श्री जे० आर० वशिष्ठ	हरियाणा	चण्डीगढ़	11/4/76-प्रशा० / दिनांक 25-9-76
4.	श्री एच० एल० कल्ला	जम्मू एवं कश्मीर	श्रीनगर	11/4/76-प्रशा० / दिनांक 25-9-76
5.	श्री बी० सत्यनारायण	कर्नाटक	बंगलौर	11/4/76-प्रशा० / दिनांक 25-9-76
6.	श्री एस० जय शंकर	केरल	त्रिवेन्द्रम	11/4/76-प्रशा० / दिनांक 4-11-76
7.	श्री ए० के० विश्वास	लक्षद्वीप	कवारती	11/4/76-प्रशा० / दिनांक 31-12-76
8.	श्री एस० के० स्वैन	उड़ीसा	कटक	11/4/76-प्रशा० / दिनांक 13-9-76
9.	श्री आर० सी० भार्गव	राजस्थान	जयपुर	11/4/76-प्रशा० / दिनांक 28-8-76
10.	श्री एम० पंचापकेशन	तमिलनाडु	मद्रास	11/4/76-प्रशा० / दिनांक 28-8-76
11.	श्री अन्सार अहमद	तमिलनाडु	मद्रास	11/4/76-प्रशा० / दिनांक 4-11-76
12.	श्री ओ० पी० शर्मा	उत्तर प्रदेश	लखनऊ	11/4/76-प्रशा० / दिनांक 20-11-76
13.	श्री एम० सी० पडालिया	उत्तर प्रदेश	लखनऊ	11/4/76-प्रशा० / दिनांक 10-1-77

बद्री नाथ,
भारत के उप महापंजीकार और
पदेन उप सचिव

कार्यालय महालेखाकार

केन्द्रीय राजस्व

नई दिल्ली, दिनांक 26 फरवरी 1977

सं० प्रशासन-1/कार्यालय आदेश-1138/5-5/पदोन्नति/3284—श्रीमान् महालेखाकार, इस कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी, श्री आर० के० विष्णोई को 14/2/77 (पूर्वाह्न) से समय वेतनमान रु० 840-1200 में लेखा अधिकारी के रूप में अन्य आदेश होने तक, स्थानापन्न तौर पर कार्य करने हेतु नियुक्त करते हैं।

सं० प्रशासन 1/00/131/5-8/70-77/3223—श्रीमान् महालेखाकार ने एफ० आर० 30(1) के प्रावधान दो के अन्तर्गत इस कार्यालय के निम्नलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों को स्थानापन्न लेखाधिकारियों के समय वेतनमान रु० 840-1200 में प्रमोशन प्रत्येक के समक्ष अंकित की गई तिथियों से आगे के आदेश तक प्रोफार्मा पदोन्नति का आदेश दिया है।

नाम	लेखाधिकारी के रूप में प्रोफार्मा पदोन्नति की तारीख
(1) श्री एम० एम० एस० ओबेरॉय	25-5-76 (पूर्वाह्न)
(2) श्री के० पी० झम्ब	25-5-76 (पूर्वाह्न)
(3) श्री के० बी० माथुर	29-5-76 (अपराह्न)
(4) श्री बी० बी० प्रोत्रा	29-5-76 (अपराह्न)
(5) श्री रामपत गुप्ता	29-5-76 (अपराह्न)

एम० एल० सोब्टी,
वरिष्ठ उप महालेखाकार
(प्रशासन)

वार्णिज्य निर्माण कार्य तथा विविध
नई दिल्ली, दिनांक 25 फरवरी 1977

कार्यालय आदेश सं० प्रशासन-1/216—इस संगठन के अस्थाई लेखाधिकारी श्री राधा कृष्ण को लेखाधिकारियों के काडर में, श्री पी० गुप्ता लेखाधिकारी के सेवानिवृत्ति से खाली होने वाले स्थान पर 1-2-76 से स्थाई रूप से नियुक्त किया जाता है।

जी० एन० पाठक,
महालेखाकार

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महा नियंत्रक

नई दिल्ली-22, दिनांक 23 फरवरी 1977

सं० 7921/प्रशा०-II—राष्ट्रीय उर्वरक लि० नई दिल्ली में श्री बी० बी० सिंह के अस्थाई रूप से समाहृत होने के

परिणाम स्वरूप उनके द्वारा भारतीय रक्षा लेखा सेवा की नियुक्ति से दिया गया स्यागपत्र 1-1-77 (पूर्वाह्न) से स्वीकार कर लिया गया है तदनुसार उसी तारीख से उन्हें इस विभाग की नफरी से निकाल दिया गया है।

दिनांक 28 फरवरी 1977

सं० 18367/प्रशा०-II—भारतीय पुलिस सेवा में नियुक्ति के लिए चयन हो जाने पर श्री के० एन० शिवकुमार, भारतीय रक्षा लेखा सेवा (परिवीक्षाधीन) को 26-11-76 (अपराह्न) से रक्षा लेखा विभाग की नफरी से निकाल दिया गया है।

पी० के० रामानुजम,
रक्षा लेखा अपर महा नियंत्रक
(प्रशासन)

रक्षा मंत्रालय

भारतीय आर्डनेन्स फैक्टरियां सेवा

महानिदेशालय आर्डनेन्स फैक्टरियां

कलकत्ता, दिनांक 21 फरवरी 1977

सं० 4/77/जी०—राष्ट्रपति, निम्नलिखित अधिकारियों को उनके सामने दर्शायी गई तारीख से आगामी आवेदन होने तक स्थानापन्न महाप्रबन्धक ग्रेड-I के पद पर नियुक्त करते हैं :—

1. श्री ए० पी० भट्टाचार्य, स्थायी महाप्रबन्धक ग्रेड-II
दिनांक 10 दिसम्बर, 1976।

2. श्री बी० एन० वासु, स्थायी महाप्रबन्धक ग्रेड-II
दिनांक 10 दिसम्बर, 1976।

एम० पी० आर० पिल्लाय,
सहायक महानिदेशक, आर्डनेन्स, फैक्टरियां

श्रम मंत्रालय

खान सुरक्षा महानिदेशालय

धनबाद, दिनांक 24 फरवरी 1977

सं० 7(4)72-प्रशासन-1/2767—स्थायी विधि सहायक श्री पी० एन० कपूर को 8 नवम्बर, 1976 के पूर्वाह्न से अगला आदेश जारी होने तक विधि अधिकारी ग्रेड-II के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 25 फरवरी 1977

सं० 2ए०(2)76-प्रशासन-1/2932—श्री विमल कृष्ण प्रसाद को खान सुरक्षा महानिदेशालय में सहायक निदेशक के पद पर परिवीक्षाधीन रूप से 27 अक्तूबर, 1976 के पूर्वाह्न से दो वर्षों के लिए नियुक्त किया गया।

एस० डी० प्रसाद,
मुख्य खान सुरक्षा महानिदेशक

पूर्ति विभाग

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन शाखा-6)

नई दिल्ली, दिनांक 24 फरवरी 1977

सं० ए०-6/247(226) III—राष्ट्रपति श्री अनन्थापद्मानाभूलू, सहायक निरीक्षण अधिकारी (धातुकर्म-रसायन) को दिनांक 5 फरवरी, 1977 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों के जारी होने तक भारतीय निरीक्षण सेवा, श्रेणी-I के ग्रेड-III में सहायक निदेशक (धातुकर्म-रसायन) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

2. श्री अनन्थापद्मानाभूलू ने जमशेदपुर निरीक्षण मंडल में दिनांक 5-2-77 को सहायक निरीक्षण अधिकारी (धातुकर्म रसायन) का पद भार छोड़ दिया और 5-2-77 को जमशेदपुर निरीक्षण मंडल में सहायक निदेशक (धातुकर्म रसायन) का पदभार ग्रहण कर लिया।

सूर्य प्रकाश,
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक

दिनांक 1 मार्च 1977

सं० ए०/19012(56)/73-स्था० ए०—हिन्दुस्थान स्टील लिमिटेड, उदयपुर में अयस्क प्रसाधन इंजीनियर के रूप में प्रतिनियुक्त होने पर भारतीय खान ब्यूरो के श्री बी० संजीवा राव, सहायक अनुसन्धान अधिकारी (अयस्क प्रसाधन) ने दिनांक 14 फरवरी 1977 के अपराह्न से सहायक अनुसन्धान अधिकारी (अयस्क प्रसाधन) का कार्यभार त्याग दिया है।

सं० ए०-19011(210)/77-स्थायता ए०—राष्ट्रपति श्री अमानुल्ला, को 17 फरवरी, 1977 के अपराह्न से स्थानापन्न रूप में भारतीय खान ब्यूरो में सहायक अयस्क प्रसाधन अधिकारी के पद पर सहर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं।

सं० ए०-19011(211)/77-स्था० ए०—राष्ट्रपति श्री पी० एन० देव को 21 फरवरी, 1977 के पूर्वाह्न से स्थानापन्न रूप में भारतीय खान ब्यूरो में सहायक अयस्क प्रसाधन अधिकारी के पद पर सहर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं।

एच० के० तनेजा,
सहायक प्रशाधन अधिकारी
कृते नियंत्रक

भारतीय प्राणि सर्वेक्षण

कलकत्ता-12, दिनांक 28 फरवरी 1977

सं० एफ० 70-20/76-स्थापना/4596—भारतीय प्राणि सर्वेक्षण के श्रीमती नमिता सेन, वरिष्ठ पुस्तकाध्यक्ष जो तदर्थ आधार पर प्रधान पुस्तकाध्यक्ष का कार्य कर रही हैं। उन्हें विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर 3 फरवरी, 1977 से आगामी आदेशों तक 650 रु०—1200 रुपए के वेतनमान में स्थाई आधार पर प्रधान पुस्तकाध्यक्ष के पद पर कार्य करने के लिए उसी विभाग में नियुक्त किया जा रहा है।

डा० स० खेरा,
संयुक्त निदेशक-प्रभारी
भारतीय प्राणि सर्वेक्षण

हस्तात और खान मंत्रालय

खान विभाग

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 23 फरवरी 1977

सं० ए०-19011(21)/70-स्था० ए०—राष्ट्रपति श्री एल० जी० सघटे, उप खान नियंत्रक को 7 फरवरी 1977 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक उसी विभाग में तदर्थ आधार पर क्षेत्रीय खान नियंत्रक के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-19012(57)/73-स्था० ए०—राष्ट्रीय खनिज विकास निगम में उप खनिज प्रसाधन अभियंता के रूप में प्रतिनियुक्त होने पर भारतीय खान ब्यूरो के श्री एस० डी० बुधे, सहायक अनुसन्धान अधिकारी (अयस्क प्रसाधन) ने दिनांक 28 दिसम्बर, 1976 के अपराह्न से सहायक अनुसन्धान अधिकारी (अयस्क प्रसाधन) का कार्यभार त्याग दिया है।

दिनांक 25 फरवरी 1977

सं० ए०-19011(179)/75-स्था० ए०—राष्ट्रपति श्री एस० एम० पिपले को 14 फरवरी, 1977 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक भारतीय खान ब्यूरो में सहायक खान नियंत्रक के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

फिल्म प्रभाग

बम्बई-26, दिनांक 26 फरवरी 1977

सं० ए०-12026/5/76-सिबन्दी-I—श्री जे० एन० देसाई, स्थायी कैमेरामैन की कैमेरामैन फार्टून फिल्म युनिट के पद पर नियुक्ति होने के कारण फिल्म प्रभाग के प्रमुख निर्माता ने श्री के० बी० नायर सहायक समाचार दर्शक अधिकारी फिल्म प्रभाग सिबेन्द्रम को दिनांक 23-2-1977 के पूर्वाह्न से स्थानापन्न कैमेरामैन के पद पर फिल्म प्रभाग बम्बई में नियुक्त किया है।

एम० के० जैन,
प्रशासकिय अधिकारी
कृते प्रमुख निर्माता

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 26 फरवरी 1977

सं० ए०-12025/1/77-भंडार-1—राष्ट्रपति ने श्री सी० विट्टोवा को 2 फरवरी, 1977 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक चिकित्सा सामग्री भंडार संगठन में उप सहायक महानिदेशक (चि० भ०) के पद पर नियुक्त किया है।

दिनांक 1 मार्च 1977

सं० ए० 12025/7/76-भंडार-1—राष्ट्रपति ने श्री वाई० के० अग्रवाल को तत्काल प्रभाव से चिकित्सा सामग्री भंडार संगठन में डिपो प्रबन्धक के पद पर नियुक्त किया है।

पी० वी० श्रीनिवासन,
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 1 मार्च 1977

सं० ए० 12025/2/76 डी०—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री अन्तराम सिंह को 7 फरवरी 1977 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों तक स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के केन्द्रीय औषध मानकीकरण एवं नियंत्रण संगठन के पश्चिम क्षेत्रीय कार्यालय बम्बई में औषधि नियंत्रक के पद पर अस्थायी आधार पर एतद् द्वारा नियुक्त किया है।

एस० एस० गोथोस्कर,
औषध नियंत्रक

नई दिल्ली, दिनांक 24 फरवरी 1977

सं० ए० 12025/9/76 (सी० जी० एच० एस०) प्र० 1 (भाग-2)—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० पी० के० घोष को 3 जनवरी, 1977 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, कलकत्ता में दन्त शल्य चिकित्सक के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

दिनांक 25 फरवरी 1977

सं० ए० 32013/1/77 (एन० एम० ई० पी०) प्रशासन-I—राष्ट्रपति ने श्री के० जी० समनोत्रा को एक फरवरी, 1977 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम, दिल्ली, में उप निदेशक (म० ए०) के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

2. उप निदेशक (म० ए०) के पद पर अपनी नियुक्ति के फलस्वरूप श्री के० जी० समनोत्रा ने एक फरवरी, 1977 के पूर्वाह्न से राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम दिल्ली में सहायक निदेशक (ए०) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 26 फरवरी 1977

सं० ए० 22012/1/77 प्र०-I—राष्ट्रपति ने स्वास्थ्य विभाग के डेस्क अधिकारी (के० स० से० के स्थायी अनुभाग अधिकारी) श्री पी० वी० श्रीनिवासन को श्री संगत सिंह,

जो छुट्टी पर चले गए हैं, के स्थान पर 3 फरवरी 1977 के पूर्वाह्न से 19 मार्च 1977 तक की अवधि के लिए के० स० से० के ग्रेड-I में स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

2. राष्ट्रपति ने श्री पी० वी० श्रीनिवासन को स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में उक्त अवधि के लिए उप निदेशक प्रशासन (भंडार) के पद पर भी नियुक्त किया है।

शाम लाल कुठयाला,
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 2 मार्च 1977

सं० ए० 22012/59/76-सी० एच० एस०-1—अपने तबादले के परिणामस्वरूप केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के जी० डी० ओ० ग्रेड-1 के एक अधिकारी डा० सुभाष चक्रवर्ती ने 25 नवम्बर, 1976 के पूर्वाह्न को पत्तन स्वास्थ्य संगठन कांडला, में उप पत्तन स्वास्थ्य अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

डा० एस० चक्रवर्ती को 25 नवम्बर, 1976 से 7 जनवरी, 1977 तक 44 दिन की अर्जित छुट्टी मंजूर की गई थी तथा 8 और 9 जनवरी 1977 को पड़ने वाले दूसरे शनिवार और रविवार को छुट्टी के साथ जोड़ने की अनुमति भी दी गई थी। डा० एस० चक्रवर्ती ने 10 जनवरी, 1977 के पूर्वाह्न को राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान, दिल्ली में अनुसंधान अधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया।

के० बेनुगोपाल,
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 2 मार्च 1977

सं० ए०-38013/2/76-सी० जी० एच० एस०-1—अपनी स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति के फलस्वरूप डा० (श्रीमती) एस० चंडिओक जी० डी० ओ०, ग्रेड-1 ने 19 जनवरी, 1977 के अपराह्न से चिकित्सा अधिकारी ग्रेड-1 के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

राज कुमार जिन्दल,
उप निदेशक प्रशासन
(के० स्वा० यो०)

कृषि और सिंचाई मंत्रालय

(ग्राम विकास विभाग)

विपणन और निरीक्षण निदेशालय

(प्रधान शाखा कार्यालय)

नागपुर दिनांक 3 फरवरी 1977

सं० फा० 2/8/76-वि०-II—भारत के राजपत्र में प्रकाशित भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) वित्त मंत्रालय (राजस्व मंडल) वाणिज्य मंत्रालय, विदेश व्यापार मंत्रालय की

अधिसूचनाओं सं० 12 दिनांक 9-6-1945, सं० 1 कैम्प दि० 5-1-1946, सं० 6 दिनांक 5-2-1949, सं० 64 दि० 17-6-61, सं० 124 दि० 15-9-62, सं० 1135 दि० 7-8-1965, सं० 125, 126, 127 दि० 15-9-62, सं० 1131, 1132, दि० 7-8-1965, सं० 2907 दि० 5-3-71, सं० 3601-क, 3601-ख, 3601-ग, दि० 1-10-71, सं० 3099 दि० 3-11-73, सं० 1127 दि० 21-4-73, सं० 1130 दि० 7-8-65, सं० 48 दि० 24-5-54, सं० 173 दि० 29-12-54, सं० 5 दि० 14-1-1964 के लिए मैं एतद्द्वारा निम्नलिखित अधिकारियों को इस अधिसूचना के जारी किए जाने की तारीख से तम्बाकू, हरड़, दालें, काली मिर्च, मिर्च, इलायची, अदरक, हल्दी, धनिया, सौंफ, मेथी, सेलरी बीज, जीरा, करी पाउडर, तेन्दू के पत्ते, ऊन, दूबलोम और अजालोम जिनका श्रेणीकरण कृषि उपज (श्रेणीकरण और चिह्नित) अधिनियम, 1937 (1937 का I) के खण्ड 3 के अधीन सूचीकृत सम्बद्ध पण्यों के श्रेणीकरण और चिह्नित नियमों के उपबन्धों के अनुसार किया जा चुका है, के सम्बन्ध में श्रेणीकरण प्रमाणपत्र जारी करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अधिकारी का नाम	पद
1. श्री आर० जी० वतर्जी	विपणन अधिकारी
2. श्री बी० के० वर्मा	गहायक विपणन अधिकारी

दिनांक 16 फरवरी 1977

सं० फा० 2/8/76-वि०-II—भारत के राजपत्र में प्रकाशित भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 174 सी० यू० एम० दिनांक 26-12-1964 के लिए मैं एतद्द्वारा श्री आर० बी० साह, सहायक विपणन अधिकारी को इस अधिसूचना के जारी किए जाने की तारीख से पणु साधित आंतड़ियां जिनका श्रेणीकरण कृषि उपज (श्रेणीकरण और चिह्नित) अधिनियम, 1937 (1937 का I) के खण्ड 3 के अधीन सूचीकृत सम्बद्ध पण्य के श्रेणीकरण और चिह्नित नियम के उपबन्धों के अनुसार किया जा चुका है, के सम्बन्ध में श्रेणीकरण प्रमाण पत्र जारी करने के लिए प्राधिकृत करता हूं ।

दिनांक 1 मार्च 1977

सं० फा० 5/11/77 वि०-II—भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) सीमा शुल्क अधिसूचना सं० 1421 दिनांक 31 अगस्त, 1963 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए मैं एतद्द्वारा श्री फिलिप इट्यराह, विपणन अधिकारी को इस अधिसूचना के जारी किए जाने की तारीख से अखरोट, जिसका श्रेणीकरण समय-समय पर यथा संशोधित अखरोट श्रेणीकरण और चिह्नित नियम, 1966 के अनुसार किया जा चुका है तथा जिनका निर्यात उपरोक्त अधिसूचना के उपबन्धों के अधीन है, के सम्बन्ध में श्रेणीकरण प्रमाण पत्र जारी करने के लिए प्राधिकृत करता हूं ।

जे० एम० उप्पल,
कृषि विपणन सलाहकार

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

कार्मिक प्रभाग

बम्बई-85, दिनांक 23 जून 1976

सं० पी० ए०/81(49)/76-आर०-4—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक यहां के निम्नलिखित अस्थाई वैज्ञानिक सहायकों (सी०) को 1 फरवरी 1976 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक के लिए इसी अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर श्रेणी एस० बी० नियुक्त करते हैं :—

क्र० सं०	नाम
1.	श्री चंद्र प्रकाश जोशी
2.	श्रीमती सरम्मा पोतम्मा जैकब

पी० उन्नोकृष्णन,
उप स्थापना अधिकारी (भ)

परमाणु ऊर्जा विभाग

क्रय एवं भंडार निदेशालय

मुम्बई-400 001, दिनांक 14 फरवरी 1977

सं० डी० पी० एम० ए०/11013/65/75/स्थापना/2556—परमाणु ऊर्जा विभाग के क्रय एवं भंडार निदेशक, इस निदेशालय के स्थायी सहायक लेखापाल तथा स्थानापन्न लेखापाल श्री बहुभाई मोहनलाल गनाना को इस निदेशालय में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-960 रुपये के वतनमान में सहायक लेखा अधिकारी के पद पर निम्नलिखित प्रकार से नियुक्त करते हैं :—

(I) 23 फरवरी, 1976 के पूर्वाह्न से 30 सितम्बर, 1976 के अपराह्न तक की अवधि के लिए सहायक लेखा अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर ।

(II) 1 अक्टूबर, 1976 से अगले आदेश तक सहायक लेखा अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से ।

बी० पी० चोपड़ा
प्रशासन अधिकारी

मुम्बई-400 001, दिनांक 17 फरवरी 1977

सं० डी० पी० एस० ए०/32011/2/75/स्थापना/2541—परमाणु ऊर्जा विभाग के क्रय एवं भंडार निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा इस निदेशालय के स्थानापन्न लेखापाल श्री अब्दुल अजीज शेख को उसी निदेशालय में 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 रुपये के वतनमान में सहायक लेखा अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार

पर स्थानापन्न रूप से निम्नलिखित प्रकार से नियुक्त करते हैं :—

- (I) 11-5-1976 से श्री बी० के० पोद्दार, सहायक लेखा अधिकारी, जिन्हें लेखा अधिकारी-II के पद पर नियुक्त किया गया था, के स्थान पर,
11-6-1976 तक
- (II) 13-12-1976 से श्री के० पी० बाडिया, सहायक लेखा अधिकारी, जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई थी, के स्थान पर।
12-1-1977 तक

सं० डी० पी० एस०/ए०/32011/2/76/स्था०/2483—परमाणु ऊर्जा विभाग के त्रय एवं भंडार निदेशक, इस निदेशालय की दिनांक 15 जुलाई, 1976 की समसंख्यक अधिसूचना के क्रम में, केन्द्रीय भंडार यूनिट, बम्बे के स्थायी भंडारी श्री मिहिर चन्द्र राय को 31 जनवरी 1977 के अपराह्न तक की और अवधि के लिए तदर्थ आधार पर सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

बी० जी० कुलकर्णी
हुते प्रशासन-अधिकारी

राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना
कोटा, दिनांक 26 फरवरी 1977

सं० रापविप : 04627/1(408)/77/स्था०/प्रशा०/980
कोटा—राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना इंजीनियर द्वारा त्यागपत्र स्वीकृत करने पर राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना के एक स्थायीवत् वैज्ञानिक सहायक ग्रेड “बी०” और स्थानापन्न विज्ञान अधिकारी/इंजीनियर-ग्रेड-एस० बी० श्री गजेन्द्र सिंह ने इस परियोजना में अपने पद का कार्यभार दिनांक 7 फरवरी, 1977 (अपराह्न) को छोड़ दिया है।

गोपाल सिंह
प्रशासन अधिकारी (स्थापना)

भारी पानी परियोजनाएं

बम्बई-400 008, दिनांक 2 मार्च 1977

सं० 05000/ब-46/1069—भारी पानी परियोजनाओं के, विशेष-कार्य-अधिकारी, महा लेखाकार कार्यालय, उड़ीसा, भुवनेश्वर के, श्री दिवाकर चट्टोपाध्याय, स्थायी पर्यवेक्षक तथा स्थापना अनुभाग अधिकारी, को भारी पानी परियोजना (तलचर) में फरवरी, 7, 1977 (पूर्वाह्न) से आगे आवेश होने तक के लिए अस्थायी रूप से स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

टी० सी० मन्थकीति
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

तारापुर परमाणु बिजलीघर

थाना, दिनांक 14/20 जनवरी 1977

सं० टी० ए० पी० एम०/प्रशासन/673-ए(XIV)—परमाणु ऊर्जा विभाग के तारापुर परमाणु बिजलीघर के मुख्य अधीक्षक, श्री एन० के० श्रीधर को 10 दिसम्बर, 1976 के पूर्वाह्न से तारापुर परमाणु बिजलीघर में स्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकांश/इंजीनियर ‘एम० बी०’ नियुक्त करते हैं।

ए० डी० भाटिया
कनिष्ठ प्रशासन अधिकारी

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 25 फरवरी 1977

सं० ई० (I) 04296—वेधशालाओं के महानिदेशक, निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, नई दिल्ली के कार्यालय में व्यावसायिक सहायक श्री आर० एन० सेन को 7-2-77 के पूर्वाह्न से 31-3-77 तक 53 दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री आर० एन० सेन स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, नई दिल्ली के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

दिनांक 28 फरवरी 1977

सं० ई० (I) 04260—वेधशालाओं के महानिदेशक, निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, बम्बई के कार्यालय में व्यावसायिक सहायक श्री टी० एम० सांबामूर्ति को 3-2-77 के पूर्वाह्न से 31-3-77 तक 57 दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री सांबामूर्ति स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, बम्बई के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

दिनांक 2 मार्च 1977

सं० ई० (I) 03426—भारत मौसम विज्ञान विभाग के अन्तर्गत निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, मद्रास के मौसम कार्यालय विशाखापतनम के कार्यालय में सहायक मौसम विज्ञानी श्री बी० एम० शर्मा निवर्तन की आयु पर पहुंचने पर 31 दिसम्बर, 1976 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

एम० आर० एन० मणियन
मौसम विज्ञानी

हुते वेधशालाओं के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 28 फरवरी 1977

सं० ए०-38012/9/76-ई० ए०—श्री आर० पी० ओकानर, वरिष्ठ विमान क्षेत्र अधिकारी, नागपुर एफ० आर० 56(के) अधीन 10-2-1977 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

सी० एन० बत्सा
सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 23 फरवरी 1977

सं० ए०-19012/3/77-हिन्दी—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री श्री० पी० बख्शी को 7-2-1977 (पूर्वाह्न) से, तथा अगले आदेश होने तक नागर विमानन विभाग में तदर्थ आधार पर हिन्दी अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है और उन्हें प्रिंसिपल, नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र, इलाहाबाद के कार्यालय में तैनात किया है।

दिनांक 25 फरवरी 1977

सं० ए०-31014/1/75-ई० एस०—महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित अधिकारियों को नागर विमानन विभाग में उनके नामों के सामने दी गई तारीखों से ग्लाइडिंग इंस्ट्रक्टर के ग्रेड में स्थायी रूप में नियुक्त किया है :—

क्रम सं०	अधिकारी का नाम	जिस तारीख से स्थायी रूप में नियुक्त किया गया
1.	श्री एस० के० ताम्बे	22-10-1973
2.	श्री पी० एन० शर्मा	22-10-1973
3.	श्री बी० के० साहे	22-10-1973

हरबंसलाल कोहली,
उपनिदेशक प्रशासन
कृते महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 1 फरवरी 1977

सं० ए०-35019/1/76-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने नागर विमानन विभाग के स्थायी सहायक तकनीकी अधिकारी श्री एम० बाई० भट्ट को 26-4-76 से निदेशक, ए० आर० सी० नई दिल्ली के कार्यालय के महानिदेशालय सुरक्षा के ए० आर० सी० (टेक्निकल) में स्थायी रूप से नियुक्त करने के लिए अनुमति दे दी है।

दिनांक 28 फरवरी 1977

सं० ए०-12025/8/75-ई०सी०—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित व्यक्तियों को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से अन्य आदेश होने तक नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन में स्थानापन्न रूप में तकनीकी अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है और उन्हें उनके नाम के सामने दिए गए स्टेशन पर तैनात किया है :—

क्रम सं०	नाम	नियुक्ति की तारीख	तैनाती कार्यालय/स्टेशन
1	2	3	4
1.	श्री के० विश्वनाथन	27-1-77 (पूर्वाह्न)	नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र इलाहाबाद।
2.	श्री बी० अनन्तमूर्ति	27-1-77 (पूर्वाह्न)	नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र, इलाहाबाद।
3.	श्री एन० पार्थसारथी	28-1-77 (अपराह्न)	निदेशक, रेडियो निर्माण और विकास एकक, सफदरजंग, नई दिल्ली।

सं० ए०-38012/1/77-ई० सी०—नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन के निम्नलिखित कर्मचारियों ने निवृत्त आयु प्राप्त कर लेने के परिणाम स्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर 31 जनवरी, 1977 (अपराह्न) से अपने पद का कार्य-भार त्याग दिया है :—

क्रम सं०	नाम और पदनाम	तैनाती स्टेशन
(1)	(2)	(3)
1.	श्री एच० एन० अग्र्यर, नियंत्रक संचार	वैमानिक संचार स्टेशन मद्रास।
2.	श्री सी० आर० नरसिंहम, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी	वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास।

हरबंस लाल कोहली
उपनिदेशक प्रशासन

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 28 फरवरी 1977

सं० 1/409/77-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा बम्बई शाखा के पर्यवेक्षक, श्री आर० आर० नालकुर को अल्पकाल के लिए खाली जगह पर 19-11-1976 से 31-12-76 (दोनों दिन मिलाकर) की अवधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से उप परियाप्त प्रबंधक नियुक्त करते हैं।

सं० 1/311/77-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा बम्बई शाखा के पर्यवेक्षक, श्री ए० एम० पाण्डे को अल्प काल के लिए खाली जगह पर 15-11-1976 से 1-12-76 (दोनों दिन मिलाकर) की अवधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से उप परियाप्त प्रबंधक नियुक्त करते हैं।

एच० एल० मलहोत्रा, उप निदेशक प्रशासन
छत्ते महानिदेशक

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालय, इलाहाबाद

इलाहाबाद, दिनांक 13 दिसम्बर 1976

सं०-82/1976—तमाहर्ता, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, कानपुर के पृष्ठांकन सं० 11-140-स्था०/43915, दिनांक 27-9-76 के अन्तर्गत जारी किए गए स्थापना आदेश सं० आई० 2-ए०/278/76 दिनांक 27-9-76 तथा पृष्ठांकन सं० 11-140-स्था०/76/47927 दिनांक 28-10-76 के अन्तर्गत जारी किए गए स्थापना आदेश सं० आई०/ए०/313/76, दिनांक 28-10-76 के अनुसार, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालय, इलाहाबाद के स्थायी निरीक्षक (चयन ग्रेड) श्री आनन्द गोपाल सक्सेना, [जो राजस्व आसूचना निदेशालय, लखनऊ में प्रतिनियुक्ति (डेपुटेशन) पर हैं] को अगला आदेश होने तक रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में स्थानापन्न अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क वर्ग 'ख' के रूप में नियुक्त किया जाता है। उन्होंने 17-11-1976 को दोपहर से पहले केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के अधीक्षक वर्ग 'ख' श्री ए० एन० गौड़ को अतिरिक्त कार्यभार से मुक्त करते हुए सीमाशुल्क निवारक मण्डल, गोरखपुर में केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के अधीक्षक वर्ग 'ख' के कार्यालय का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक 14 दिसम्बर 1976

सं० 83/1976—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समेकित मण्डल कार्यालय, मुगदाबाद में अधीक्षक (तकनीकी) के पद पर तैनात श्री जीवनचन्द्र जोशी, स्थानापन्न अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क श्रेणी दो, दिनांक 30-11-76 को दोपहर के बाद से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

दिनांक 24 जनवरी 1977

सं० 1/1977—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समेकित मण्डल कार्यालय, वाराणसी में तैनात और इस कार्यालय के पृष्ठांकन संख्या दो (3) 126-स्थापना/76/46432, दिनांक 3-12-76 के अन्तर्गत जारी किए गए स्थापना आदेश सं० 301/1976 2-506GI/76

दिनांक 3-12-1976 के अनुसार अगला आदेश होने तक रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में स्थानापन्न अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क वर्ग 'ख' के रूप में नियुक्त अस्थायी अधीक्षक (चयन ग्रेड) श्री आर० पी० श्रीवास्तवा ने 28-12-1976 को (दोपहर से पहले) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, मुख्यालय, इलाहाबाद में अधीक्षक वर्ग 'ख' के कार्यालय का कार्यभार संभाल लिया।

सं० 2/1977—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समेकित मण्डल कार्यालय, सीतापुर में तैनात और इस कार्यालय के पृष्ठांकन प० सं० 11 (3) 56-स्था०/76/46905, दिनांक 7-12-76 के अन्तर्गत जारी किए गए स्थापना आदेश सं० 313/1976 दिनांक 7-12-1976 के अनुसार अगला आदेश होने तक रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में स्थापना अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क वर्ग 'ख' के रूप में नियुक्त स्थायी अधीक्षक (चयन ग्रेड) श्री आर० सी० वर्मा ने दिनांक 15-12-1976 को (दोपहर से पहले) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, मुख्यालय, इलाहाबाद में अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, वर्ग 'ख' के कार्यालय का कार्यभार संभाल लिया।

सं० 3/1977—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समेकित मण्डल कार्यालय, इलाहाबाद में अधीक्षक (निरीक्षण ग्रुप) के रूप में तैनात श्री हरनाथ सिंह, स्थानापन्न अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क वर्ग 'ख' दिनांक 30-11-1976 को दोपहर बाद से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

दिनांक 24 फरवरी 1977

सं० 6/1977—श्री सी० बी० पाल, स्थानापन्न कार्यालय अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, जो केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, समाहर्ता कार्यालय, इलाहाबाद में थे, की नियुक्ति प्रशासन अधिकारी, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क द्वितीय के रूप में वेतनमान रुपया 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200 में अगला आदेश होने तक की गई और उन्होंने सीमाशुल्क मण्डल, लखनऊ में प्रशासन अधिकारी के पद का कार्यभार दिनांक 8-11-1976 को अपराह्न में ग्रहण कर लिया।

हरिहर नाथ रैना, समाहर्ता

केन्द्रीय उत्पाद तथा सीमा शुल्क समाहर्तालय

पटना दिनांक 17 फरवरी 1977

सं० 11 (7) 5-स्था०-/75—श्री के० एम० शरण, अधीक्षक, श्रेणी 'व' केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, पटना जो इस कार्यालय के स्थापना आदेश सं० 239/76 दिनांक 6-9-76 के अनुसार सेवा निवृत्ति पूर्व छुट्टी पर जाने के लिए दिनांक 30-10-76 के अपराह्न में कार्यभार से मुक्त हुए, सेवा निवृत्ति की आयु पूरी कर दिनांक 31-1-77 के अपराह्न में सेवा निवृत्त हुए।

सं० 11 (7)-5 स्था०/75 —केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा- शुल्क समाहृतलय, पटना के निम्नलिखित राजपत्रित अधिकारी श्रेणी 'ब' सेवा निवृत्ति की आयु पूरी कर उनके नामों के सामने दिये गये तिथि समय के अनुसार सेवा निवृत्त हुए :—			
क्रमांक	नाम	पद	सेवा निवृत्ति की तिथि
1	2	3	4
सर्व श्री			
1. एम० ए० हमीद	महायक मुख्य लेखा अधिकारी केन्द्रीय उत्पाद, पटना		30-11-76 (अपराह्न)
2. एम० एन० सरकार		अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद	30-11-76 (अपराह्न)
3. डी० के० मिन्हा		अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद	30-11-76 (अपराह्न)
4. बी० मुखर्जी		अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद	30-12-76 (अपराह्न)
5. के० एम० दयाल		अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद	30-12-76 (अपराह्न) ।

हरिनारायण साहू, समाहर्ता

मदुराई, दिनांक 23 फरवरी 1977

सं० VIII/17/55/76 एल० एल० जी०—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा नमक अधिनियम 1944 के अन्तर 30-9-1976 अन्तर्वाली
तैमासक में सिद्धदोष/दण्डित व्यक्तियों का विवरण :—

क्रम संख्या	सिद्ध दोषित/दण्डित व्यक्ति के नाम व पता	अपराध का विवरण
(1)	(2)	(3)
1.	श्री वी० एस० शेख साहब, पुत्र शेख मोह्यधिन, 20, पल्लिवासल मुस्लिम स्ट्रीट, लालगुडी (तंबाकू व्यापारी)	1. उपमंडल न्यायाधीश, अरियलूर के तारीख 28-2-76 सी०/सी०/सं० 748/75 द्वारा के उत्पादन शुल्क व नमक अधिनियम 1944 के अन्तर्गत एक साल कठोर कारावास और रु० 1000/- जुर्माना या उसके बदले और तीन महीने कठोर कारावास की सजा । 2. केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के नियम 151 और 223 और (ए०) के उल्लंघन करने के कारण और 62331 किलो तंबाकू कम पाने के लिए यानी रु० 1,88,649-50 मदुरै के उप समाहर्ता में रु० 750/- शास्ति लगाया गया ।
2.	(i) श्री के० मु० इब्राहीम, पुत्र कासिम राउत्तर, 48, बलयकार स्ट्रीट, लालगुडी (तंबाकू व्यापारी) (ii) श्री के० अमीर बाच्चा, पुत्र कासिम राउत्तर, 48, बलयकार स्ट्रीट, लालगुडी, (भाई व आस्ति कर्ता)	1. उपमंडल न्यायाधीश अरियलूर के तारीख 4-3-1976 सी० सी० सं० 453, 472 व 473/75 द्वारा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क व नमक अधिनियम 1944 के अनुभाग 9 (1) बी० बी० (i) के अनुसार 2½ साल कठोर कारावास और रु० 3000/- प्रत्येक को जुर्माना या/उसके बदले और 3 महीने कठोर कारावास की सजा । 2. केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के नियम 151 तथा नियम 223 (क) (ए) के अनुसार नियम उल्लंघन के कारण श्री के० मु० इब्राहीम पर रु० 750/- आस्ति लगाया गया । साथ-साथ उप समाहर्ता द्वारा 90,373 1 किलो तंबाकू पर शुल्क भी वसूल करने की आज्ञा दी गई ।
3.	(i) श्री पी० गणपति चेट्टियार, पुत्र पार्थसारथी चेट्टियार, 46, बालप्पडी स्ट्रीट, धर्मपुरी (तंबाकू व्यापारी),	(i) उप मंडल न्यायाधीश, दिण्डुक्कल के तारीख 26-5-76 सं० सी० सी० 215/76 द्वारा ए० 1 और ए० 2 रु० 500/- जुर्माना या बदले में तीन महीने कठोर कारावास भुगतना, तथा ए० 3 रु० 250/- जुर्माना या बदले में 2 महीने कठोर कारावास की सजा—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क व नमक अधिनियम 1944 के अनुभाग 9(1) (बी० बी०) के अनुसार ।

(1)

(2)

(3)

- (ii) श्री कादर बाच्चा,
पुत्र नैना मुहम्मद,
25/4 पल्लिबासल स्ट्रीट,
पलनी (माल और यातायात के साथ)
- (iii) श्री मुत्तुगौण्डर,
पुत्र अरसमी गौण्डर,
सं० 12 वार्ड 14,
मुन्नमण्य पुरम,
पलनी (माल और यातायात के साथ) ।
4. श्री एम० ए० अब्दुल मजीद
तंबाकू व्यापारी,
टी० एस० सं० 3869 दक्षिण
- (i) पुदुक्कोट्टै न्यायाधीश के तारीख 23-7-76 सं० सी० सी० 89/76 द्वारा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क अधिनियम 1944 अनुभाग 9 (i) बी० बी० (ii) के उल्लंघन करने के कारण रु० 1000/- जुर्माना या बदले में छः महीने कठोर कारावास को भेजा ।
- (ii) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नियम 223 ए के उल्लंघन करने के कारण उप समाहर्ता द्वारा रु० 1000/- आस्ति तथा नियम 151 ब 223 ए० के उल्लंघन के कारण 5380 किलो तंबाकू पर शुल्क भरने का आदेश ।
5. (i) श्री एस० के० धनशेखरन,
पुत्र कविरेस नाडार,
व्यापारी,
उप्पलूर (द्वारा) नल्ली ।
- (ii) श्री पी० पांडी ड्राईवर,
लारी टी० एन० यू० 3423,
465, पलनी रोड,
श्रोद्धनचक्रम ।
- (i) उप मंडल न्यायाधीश, दिण्डुक्कल के तारीख 29-7-76 सं० सी० सी० 290/76 द्वारा दण्डित—एक दिन न्यायालय में ही कैद रहना । तथा सं० 1 के लिए रु० 1000/- जुर्माना और सं० 2 के लिए रु० 500/- या बदले में क्रमशः दो और एक महीने का कठोर कारावास भुगतना ।
- (ii) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नियम 50-ए० के उल्लंघन करने के कारण उप समाहर्ता द्वारा रु० 750/- आस्ति लगाया गया । शर्त के अनुसार लारी सं० टी० एन० यू० 3423 तथा 80 बोरे नमक को प्रदान न करने के कारण, प्रतिभूति जमा रु० 5200/- को लारी तथा नमक के मूल्य के लिए सरकार ने लिया है ।
6. श्री सुब्बरायलू,
पुत्र पेरुमाल नायडु,
कोडंगिपट्टी,
कुलित्तलै ।
- (i) प्रथम श्रेणी न्यायाधीश, कुलित्तलै के तारीख 21-7-76 सं० सी० सी० 271/76 द्वारा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा नमक अधिनियम 1944 के अनुभाग 9 (1) (बी० बी०) तथा नियम 144 उल्लंघन करने के कारण रु० 1000/- जुर्माना या उसके बदले तीन महीने कठोर कारावास भुगतना ।
- (ii) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नियम 151 तथा 223 ए० के उल्लंघन करने के कारण उप समाहर्ता द्वारा रु० 750/- प्रत्यक्ष जुर्माना लगाया गया । तथा 4968 किलो तंबाकू पर शुल्क भरने का माने रु० 14,904/- ।

निरीक्षण और लेखा परीक्षा निदेशालय

सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क

नई दिल्ली, दिनांक 26 फरवरी 1977

सं० 4/77—श्री डी० जी० मंशारमानी ने, जो पहले व्यय विभाग (का० नि० यू०) में वरिष्ठ विश्लेषक के रूप में काम कर रहे थे, संगठन और प्रबन्ध सेवाएं निदेशालय (सीमा शुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क) नई दिल्ली में वरिष्ठ विश्लेषक के पद पर प्रतिनियुक्त किए जाने पर, दिनांक 15-2-77 (पूर्वाह्न) से उक्त पद का कार्यभार संभाल लिया है।

मु० वेंकटरामन्, निरीक्षण निदेशक

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 22 जनवरी 1977

सं० क-19012/599/76-प्रशा० 5 :—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग अपने प्रसाद से श्री आर० रघुरामा राव, अभिकल्प महायक को केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक 650-30-740-35-810 द० रो० -35-880-40-1000-द० रो० 40-1200 रुपये के वेतनमान में पूर्णतः अस्थायी एवं तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं जो 19 अक्टूबर, 1976 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक प्रभावी होगा।

श्री आर० रघुरामा राव ने उपर्युक्त दिनांक तथा समय से नहर निदेशालय, केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक के कार्यालय का कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

जसवंत सिंह, अवर सचिव
हुते अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग

केन्द्रीय भूमिगत जल बोर्ड

फरीदाबाद दिनांक 24 फरवरी 1977

सं० 3-442/77/स्था-II :—श्री दूना ठाकुर दिनांक 27-1-77 से सामान्य नागरिक सेवा के आधीन द्वितीय श्रेणी (राजपत्रित) के वेतनमान 650-30-740-35-810 ई० बी० -35-880-40-1000-ई० बी० -40-1200 में अस्थायी रूप से मुख्य कार्यालय फरीदाबाद में संप्रहकार अधिकारी के पद पर नियुक्त किये गये हैं।

वेवता पाण्डेय,
अधीक्षक अभियन्ता

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

प्रमुख इंजीनियर का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 21 फरवरी 1977

सं० 1/364/69 ई० सी० 9—राष्ट्रपति संध लोक सेवा आयोग द्वारा नामित श्री ए० के० सूद को केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में 650-30-740-35-810-द० रो० -35-880-40-1000 द० रो० -40-1200 रुपए (तथा सामान्य भत्ते) के वेतन में 650/- रुपए प्रतिमास वेतन पर सामान्य शर्तों पर 21-2-77

(पूर्वाह्न) से वास्तुक के अस्थायी पद (सामान्य केन्द्रीय सेवा ग्रुप ए) पर नियुक्त करते हैं।

2. श्री सूद 21-2-77 पूर्वाह्न से दो वर्ष की अवधि के लिए परिबीक्षा पर रखे जाते हैं।

3. श्री सूद, वरिष्ठ वास्तुक (नई दिल्ली अंचल) एकक 5, केन्द्रीय कार्यालय, के० ए० नि० विभाग-नई दिल्ली में तैनात किए जाते हैं।

मु० सू० प्रकाश राव,
प्रशासन उप निदेशक
हुते प्रमुख इंजीनियर

अनुसंधान अभिकल्प और मानक संगठन

लखनऊ-II, दिनांक 21 फरवरी 1977

सं० ई० II/ई० एस०/सी० एक० एम०/ओ०एस०एण्ड टी०—श्री ब्रह्मा नन्द को अनुसंधान अभिकल्प और मानक संगठन, लखनऊ के सिगनल और दूरसंचार इंजीनियरी तथा उपकरण इंजीनियरी विभाग में सहायक अभिकल्प इंजीनियर के स्थायी पद पर द्वितीय श्रेणी में 12-6-72 से स्थायी किया जाता है।

सं० ई० II/ई० एस०/सी० एक० एम०/ओ०एस० एण्ड टी०-I—श्री यशवन्त शुक्ल को अनुसंधान अभिकल्प और मानक संगठन, लखनऊ के सिगनल और दूरसंचार इंजीनियरी विभाग में सहायक अनुसंधान इंजीनियर के स्थायी पद पर द्वितीय श्रेणी में 20-3-76 से स्थायी किया जाता है।

सं० ई० II/ई० एस०/सी० एक० एम०/ओ०/एस०-एण्ड टी०/II—श्री आर० पी० सिंह को अनुसंधान अभिकल्प और मानक संगठन, लखनऊ के सिगनल और दूरसंचार इंजीनियरी तथा उपकरण इंजीनियरी विभाग में सहायक अनुसंधान इंजीनियर के स्थायी पद पर द्वितीय श्रेणी में 20-3-1976 से स्थायी किया जाता है।

गोपीनाथ भट्टाचार्य, महानिदेशक

उत्तर रेलवे

प्रधान कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 12 जनवरी 1977

सं० 1—उत्तर रेलवे यांत्रिक इंजीनियरिंग विभाग के निम्नलिखित अधिकारी रेल सेवा से अन्तिम रूप से उनके सामने दी गई तिथि से निवृत्त हो गये हैं :—

1. श्री डी० आर० मैती, उत्पादन अभियन्ता चारबाग लखनऊ—31-12-1975 (अपराह्न)।

2. श्री के० सी० सेठी, वैयक्तिक महायक मुख्य यांत्रिक अभियन्ता—31-1-1976 (अपराह्न)

3. श्री आर० सहाय, उत्पादन अभियन्ता चारबाग लखनऊ—31-3-1976 (अपराह्न)।

4. श्री बी० एम० सिन्हा, प्रवर यांत्रिक अभियन्ता प्रधान का०—31-3-1976 (अपराह्न)।

5. श्री एच० के० कुमारिया, प्रवर यांत्रिक अभियन्ता प्र० कार्यालय—30-6-76 (अपराह्न) ।

6. श्री जे० एस० वर्मा, प्रवर यांत्रिक अभियन्ता प्र० कार्यालय 31-8-1976 (अपराह्न) ।

मनीष चन्द मिश्र, महाप्रबन्धक

विधि न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

कम्पनी कार्य विभाग

(कम्पनी विधि बोर्ड)

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 और मेसर्स दोशी प्रारेख इन्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

अहमदाबाद, दिनांक 26 फरवरी 1977

सं० 560/1090—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि मेसर्स दोशी प्रारेख इन्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है ।

कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 445 (2) के अधीन मेसर्स विजय कोमर्शियल एन्ड फाइनान्शियल संडीकेट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

अहमदाबाद, दिनांक 1 मार्च 1977

सं० 1305/लीक्वीडेशन—कम्पनी अरजी नं० 40/1976 में अहमदाबाद स्थित उच्च न्यायालय के तारीख 20-12-1976 के आदेश द्वारा मेसर्स विजय कोमर्शियल एन्ड फाइनान्शियल संडीकेट प्राइवेट लिमिटेड का परिसमापन का आदेश दिया गया है ।

जे० गो० गाथा,
प्रमंडल पंजीयक, गुजरात

कम्पनी अधिनियम 1956 के धारा 445 (2) के अधिनियम सूचना

कोचीन, दिनांक 26 फरवरी 1977

सं० 2233/लिक०—कम्पनी अधिनियम, 1956 के मामले में श्रीर मोडेन चिटस एन्ड इनवेस्ट बेनिफिट प्राइवेट लिमिटेड के मामले में सिविल अर्जी सं० सी० पी० 15/76 में केरल में स्थित उच्च न्यायालय के तारीख 12-10-1976 के आदेश द्वारा मोडेन चिट एन्ड इनवेस्टी बेनिफिट प्राइवेट लिमिटेड का परिसमापन करने का आदेश दिया गया है ।

कम्पनी अधिनियम 1956 के धारा 445 (2) के अधिनियम सूचना

कोचीन, दिनांक 26 फरवरी 1977

सं० 1881/लिक०—कम्पनी अधिनियम, 1956 के मामले में श्रीर मनरगट चिट एन्ड इनवेस्टमेन्टस प्राइवेट लिमिटेड के मामले में सिविल अर्जी सं० सी० पी० 10/76 में केरल में स्थित उच्च न्यायालय के तारीख 2-11-1976 के आदेश द्वारा मनरगट चिट एन्ड इनवेस्टमेन्टस प्राइवेट लिमिटेड का परिसमापन करने का आदेश दिया गया है ।

पी० एस० अनवर,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं पायलट पेन्ट एडस मैन्यूफैक्चरिंग कम्पनी लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 1 मार्च 1977

सं० 15786/560(5)—धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि पायलट पेन्ट एडस मैन्यूफैक्चरिंग कम्पनी लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है ।

ह० अपठमीय
कम्पनियों का रजिस्ट्रार,
महाराष्ट्र

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री बेनकिटेशरा अय्यर ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

(2) श्रीमती पेन्तम्मा ।

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणकुलम

कोच्चिन-16, दिनांक 2 मार्च 1977

निदेश सं० एल० सी० 125/76-77:—यतः, मुझे, एस०
एन० चन्द्रशूटन नायर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है,

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो ट्रिचूर में स्थित है
(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, ट्रिचूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 14-6-76
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम
के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

5½ Cents of land with buildings in Sy. No. 1455/3 of
Trichur Town.

एस० एन० चन्द्रशूटन नायर,
सक्षम प्राधिकारी,
(सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणकुलम

तारीख : 2-3-77
मोहर ।

प्रत्यक्ष अधिनियम टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर दिनांक 23 फरवरी 1977

निर्देश नं० ए० पी० नं० 1654—यतः सुश्री रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो मोता सिंह नगर, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मोहिन्द्र सिंह सुपुत्र श्री निहाल सिंह, गांव कंग खुर्द, जालन्धर । (अन्तरक)

2. श्री सतिन्द्र सिंह भोगल, सुपुत्र श्री गुरुमुख सिंह गांव व्यास पिंड, तहसील जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत, विलेख नं० 3011 अगस्त 1976 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है ।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 23-2-1977
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर दिनांक

निदेश नं० ए०बी०एच०/126/76-77/—यतः मुझे वी०

आर० सागर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि व्यापार सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० खसरा नं० 1556 है तथा जो मंडी अबोहर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अबोहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री आत्मा राम पुत्र श्री नन्दलाल पुत्र श्री शम्भू राम, निवासी मंडी अबोहर (अन्तरक)
2. श्री पिरबी सिंह पुत्र श्री हजारी लाल पुत्र श्री रामसुख, निवासी अबोहर (अन्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर क्रमांक 2 पर अंकित है और यदि कोई किरायेदार हो।

(वह व्यक्ति जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त व्यापार संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पंक्तियों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बुकान का आधा हिस्सा नाप 128 वर्गगज और 3 वर्गफीट, खसरा नं० 1556 मंडी अबोहर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख संख्या 777 जुलाई, 1976 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अबोहर में लिखा है।

वी० आर० सागर,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख :
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर दिनांक

निदेश नं० ए०बी०एच०/127/76-77—यतः मुझे बी०
आर० सागर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० खसरा नं० 1556 है तथा जो मण्डी अबोहर
में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अबोहर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई
1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

3—506GI/76

1. श्री आत्मा राम पुत्र श्री नन्दलाल पुत्र श्री शम्भू राम,
निवासी मंडी अबोहर (अन्तरक)
2. श्री हजारी लाल पुत्र श्री रामसुख पुत्र श्री पूरा राम,
निवासी मंडी अबोहर (अन्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर क्रमांक 2 पर अंकित है और यदि कोई
किंगयेदार हो।

(वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति
है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे
में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हित-
बद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आप्रक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान का आधा हिस्सा ताप 128 वर्गगज और 3 वर्गफीट,
खसरा नं० 1556 मंडी अबोहर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख सं०
766 जुलाई 1976 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अबोहर में लिखा है।

बी० आर० सागर,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख:
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर दिनांक

निदेश नं० टी०टी०/128/76-77—यतः मुझे बी० आर० सागर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है और

जिसकी सं० खसरा नं० 500/251 और 506/251 खाता नं०
139/164 है तथा जो आबादी तरन तारन में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय तरन तारन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1976
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हरी राम पुत्र श्री राल्लाराम पुत्र श्री राधाराम,
निवासी तरन तारन। (अन्तरक)

2. मैसर्स करमसिंह गोपालसिंह, आढ़ती डी० डब्ल्यू० आर०
अमृतसर (अन्तरिती)
(ठाकुर बस्ती राम)

3. जैसा कि ऊपर क्रमांक 2 पर अंकित है और यदि कोई
किराएवार हो।

(वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके
बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

के० एम० 1-1-157' भूमि जो आबादी तरन तारन में
स्थित है। जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख संख्या 2339 जुलाई 1976
में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी तरन तारन में लिखा है।

बी० आर० सागर,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख :
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर दिनांक

निदेश नं० टी०टी०/129/76-77—यतः मुझे वी० आर० सागर,
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० खसरा नं० 1005/865 खाता नं० 251/554 खाता है तथा जो फतियाबाद टी० टी० रोड़ पंजाब सिंचाई विभाग के स्टोर के सामने, तरन तारन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तरन तारन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्ति, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री हरीराम श्री गुरबक्स राय पुत्रगण श्री राल्ला राम पुत्र श्री राधाराम लालचन्द पुत्र श्री राधाराम, निवासी तरन तारन, (अन्तरक)

2. मैसर्स करमसिंह गोपाल सिंह आढ़ती, डी डब्लू आर० (ठाब बस्ती राम) अमृतसर (अन्तरिती)

3. जैसा कि क्रमांक 2 पर अंकित है और यदि कोई किराएवार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

के० एम० 2-0 भूमि खसरा नं० 1005/865 खाता नं० 251/554 जो फतियाबाद टी० टी० रोड़ तरन तारन पर स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख संख्या 2338 जुलाई 1976 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, तरन तारन में लिखा है।

वी० आर० सागर,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख:
मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 26 फरवरी 1977

निर्देश नं० 22-यू अर्जन—अतः मुझे अमर सिंह बिसेन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी संख्या मकान नं० 164/4 है तथा जो नेकपुर सिविल
लाइन्स बरेली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बरेली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 9-7-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री वेष प्रकाश अग्रवाल (अन्तरक)

2. ऊषा सिंघल (अन्तरिती)

3. श्री स्वामी
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)4. श्री स्वामी
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान नं० 164/5 नाप 310 वर्ग मीटर मो० नेकपुर
सिविल लाइन्स बरेली में स्थित है।

अमर सिंह बिसेन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 26-2-1977

मोहूर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र लखनऊ

लखनऊ दिनांक 26 फरवरी 1977

निदेश नं० 70-के/अर्जन—यतः मुझे अमर सिंह बिसेन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या 155(पुराना) 183 (नया) है तथा जो मों गाड़ीवान टोला इलाहाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-8-1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बबर्ना एवं चमेली (अन्तरक)

2. कुमारी कुसुम देवी (अन्तरिती)

3. श्रीमती बबर्ना एवं चमेली (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. नहीं

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान नं० 155(पुराना) 183 (नया) मो० गाड़ीवान चेला, इलाहाबाद में स्थित है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र लखनऊ

तारीख : 26-2-77

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 मार्च 1977

निदेश सं० ए० सी० न्यू० 23-7-1192(561)/5-1/75-76—यतः मुझे जे० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या 1237-ए, है, जो स्वास्तिक सोसायटी, आमबावाडी रोड के पीछे कृष्णनगर, भावनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भावनगर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई, 76 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री भानुशंकर उमीया शंकर, पावर ओफ अटारनी होल्डर ओफ, शरद चंद्र भानुशंकर, प्लॉट नं० 1237-ए, स्वास्तिक सोसायटी, अम्बावाडी, भावनगर । (अन्तरक)

(2) (i) वीराजीभाई भीखाभाई पटेल,
(ii) श्री सुभाषचंद्र लालजीभाई पटेल,
(iii) श्री धनश्यामभाई लालजीभाई पटेल,
1237-ए, अम्बावाडी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जेन के लिए कार्यवाहिया करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जेन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जो भूमकीय मंजल तथा पहले मंजल के साथ है तथा जो 1549 वर्ग गज, भूमि के साथ है तथा जिसका प्लॉट नं० 1237-ए है तथा जो स्वास्तिक सोसायटी, अम्बावाडी भावनगर में स्थित है ।

जे० के० कथूरिया,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख: 2-3-1977

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 मार्च 1977

निदेश ए०सी० क्यू० 23-1-1974(560)/18-1/75-76

—यतः मुझे जे० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 8-ई, है जो जसवंत बाग लैंड धागध्रा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, धागध्रा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-8-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) (i) श्री बालमाजी गोर्धनदास कटीया,
(ii) श्री हिम्मतलाल बालमाजी कटीया,
(iii) श्री महेन्द्र बालमाजी कटीया, देवकरन मेन्शन,
सातवां ब्लाक, तीसरी मंजिल,
बल्लभभाई पटेल रोड, बम्बई।

(अन्तरक)

- (2) (i) श्री प्रीतम जगजीवन दास ठक्कर,
(ii) श्री हिम्मत लाल जगजीवन दास ठक्कर,
स्वामी नारायण कम्पाऊंड, धागध्रा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जो "भवानी भवन" के नाम से प्रख्यात है तथा जो 400-7-1/2 वर्ग गज भूमि पर स्थित है तथा जिसका प्लॉट नं० 8-ई है तथा जो जसवंत बाग लैंड पर, धागध्रा में स्थित है।

जे० कथूरिया,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 2-3-77

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3 बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 फरवरी, 1977

निवेश सं आई०-3/1182/अगस्त 76—अत मुझे श्री एम जे० माथन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या सर्वे नं० 81, एच नं० 2-बी (अंश) एस० नं० 78 एच० नं० 2 और सी टी० एस० नं० 482 (अंश) 484, 488 और प्लॉट 638 नं० 2 है तथा जो बोरिवली में स्थित है (और इसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उप रजिस्ट्रार कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 2-8-1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री शंकरराव वीलतराम मंत्री और श्रीमती काबेरी डी० मंत्री, 16 खोटाचीवाडी, मंत्री हाउस, वी० पी० रोड, गिरगांव बम्बई-4 । (अन्तरक)
2. (1) श्री नाथलाय बी० देलवरिदिया (2) श्री भगवान जी टी० पटेल (3) प्रेमजी मकान पटेल (4) श्रीमती प्रेमीबेन जे० पटेल (5) श्रीमती सविताबेन एम० पटेल (6) कु० गोदावरीबेन पी० पटेल द्वारा, मेसर्स अतुल बिल्डर्स 603, चर्चगेट चेम्बर्स, 5 न्यू० मरीन लाइन्स बम्बई-20 । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आई० 5/1182/अगस्त-76

जमीन या मैदान का वह तमाम टुकड़ा या भाग, जो चन्द्रावरकर रोड, बोरिवली राजस्व गांव बोरिवली में, बम्बई रजिस्ट्री उप-जिले बंबई उपनगर जिले के अंदर मौजूद है और माप से 3624.45 वर्गगज यानी 3031.77 वर्गमीटर या उसके आसपास है तथा उप विभाजित प्लॉट नं० 2 है और यहां ऊपर लिखी पहली अनुसूची में बताई जमीन का एक अंग है एवं जो सर्वे नं० 81, हिस्सा नं० 2 बी (भाग) सर्वे नं० 78 हिस्सा नं० 2 लिए हुए है और जिसके सिटी सर्वे नं० 482 (भाग) 484, 488 व 638 है और इस प्रकार सीमाबद्ध है कि :—उत्तर की ओर उक्त उप विभाजन के उप-विभाजन प्लॉट नं० 3 वाली जमीन, दक्षिण की ओर उक्त उप-विभाजन के उप-विभाजित प्लॉट नं० 1 वाली जमीन, पूर्व की ओर सिटी सर्वे नं० 482 (भाग) व 483 (भाग) वाली जमीनें एवं पश्चिम की ओर सिटी सर्वे नं० 489 (भाग) 490, 491, 492 वाली जमीनें हैं।

एम० जे माथन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन इलाका-3, बम्बई

दिनांक 28 फरवरी, 1977

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3,

बम्बई, दिनांक 28 फरवरी, 77

निर्देश सं० अ० इ० -3/1184/अगस्त-76 :—अतः, मुझे, श्री एम० जे० माथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 81, हि० नं० 2-बी० (भाग) एस० नं० 78, हि० नं० 2 (भाग) एस० नं० 82, हि० नं० 2 और सी० टी० एस० नं० 482 (भाग) 484, 488 और 638, प्लॉट नं० 1 है, तथा जो बोरिवली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कार्यालय उप-रजिस्ट्रार का कार्यालय, बंबई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-8-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तर्गत्, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

4--506 GI/76

(1) श्री गंकरराव दौलतराव मंत्री और श्रीमती कावेरी डी० मंत्री 16, खोटाचीवाडी, बी० पी० रोड, मंत्री हाऊस गिरगाव बंबई-4

(अन्तरक)

(2) 1. श्री राघवजी पी० पटेल 2 श्री विनोद एन० पटेल 3. श्रीमती शांतिबेन पी० पटेल आफ० मैसर्स राजेश, कंस्ट्रक्शन कं० 503 चर्चगेट चेम्बरस 5, न्यू० मरीन लाइन, बंबई-20

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अ० ई०-3/1183/अगस्त-76

जमीन या मैदान का वह तमाम टुकड़ा या भाग, जो चन्द्रावरकर रोड, बोरिवली, राजस्थ गांव बोरिवली में, बंबई रजिस्ट्री उप-जिले और बंबई उपनगर जिले के अन्तर मौजूद है और माप से 3625.11 वर्गगज यानी 3032.23 वर्ग मीटर या उसके आसपास है तथा उप-विभाजित प्लॉट नं० 1 है और यहाँ ऊपर लिखी पहली अनुसूची में बताई जमीन या एक अंग है एवं जो सर्वे नं० 81 हिस्सा नं० 2-बी० (भाग) सर्वे नं० 78 हिस्सा नं० 2 (भाग) व सर्वे नं० 82, हिस्सा नं० 2 लिए हुए है और जिसके मिटी सर्वे नं० 482 (भाग) 484, 488 व 638 हैं तथा इस प्रकार सीमाबद्ध है कि उत्तर की ओर उक्त उप-विभाजन के उप-विभाजित प्लॉट नं० 2 वाली जमीन दक्षिण की ओर चन्द्रावरकर रोड, पूर्व की ओर 22 फीट चौड़ी निकाम रास्ता जो यहां ऊपर लिखी पहली अनुसूची में बताई गई जमीन का एक अंग है और उससे आगे मिटी सर्वे नं० 483 (भाग) व 481 वाली जमीन पश्चिम की ओर मिटी सर्वे नं० 493 से 497 तक की जमीनें हैं।

एम० जे० माथन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन इलाका-3 बंबई.

तारीख : 28 फरवरी, 1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

कार्यालय अर्जन रेंज 3

बंबई, दिनांक 28 फरवरी 1977

निर्देश सं० अइ०-3/1184/अगस्त-76 :—अतः, मुझे श्री एम० जे० माथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एम० नं० 81, हि० नं० 2 बी० (भाग) एम० नं० 78, हि० नं० 2 (भाग, एम० नं० 82 हि० नं० 2 और पी० टी० एम० नं० 482, 488, व 638, प्लॉट नं० 3 है, तथा जो बोरिवली में स्थित है (और इसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उप-रजिस्ट्रार का, कार्यालय बंबई, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-8-1976 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री शंकरराव दीनराव मंत्री और श्रीती कावेरी डी० मंत्री 16, खोटावी यात्री पी० रोड, मंती हाउस, गिरगांव बंबई-4 (अन्तरक)
- (2) 1. श्री केशवजी पी० शाह 2. नलिनीकांत के० शाह 3. श्री खीमजी पी० शाह 4. श्री वृजलाल उमशी आंफ मैसर्स न्यू० लिटे कन्स्ट्रक्शन कं० स्ट्रीट पुल स्ट्रीट हिन्दमाता मिनेमा के पीछे, दादर, बंबई-14. (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित रख किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अइ०-3/1184/अगस्त-76

जमीन या मैदान का वह तमाम टुकड़ा या भाग, जो चन्द्रा-वरक रोड, बोरिवली राजस्व गांव बोरिवली में बंबई रजिस्ट्री उप-जिले और बंबई उपनगर जिले के अन्दर मौजूद है, और माप से 3107.10 वर्गगज यानी 2598.90 वर्गमीटर या उसके आसपास है तथा उप-विभाजित प्लॉट नं० 3 है और यहां ऊपर लिखी पहली अनुसूची में बताई जमीन का एक अंग है, एवं जो सर्वे नं० 81, हिस्सा नं० 2 बी० (भाग), सर्वे नं० 78, हिस्सा नं० 2 (भाग) व सर्वे नं० 82, हिस्सा नं० 2 लिए हुए है तथा जिसके सिटी सर्वे नं० 482 (भाग), 484, 488 व 638 है और इस प्रकार सीमाबद्ध है कि और सोडावाला लेन, वक्षिण की ओर उक्त उप-विभाजन की जमीन का उप-विभाजित प्लॉट नं० 2 पूर्व की ओर सिटी सर्वे नं० 485 व 483 (भाग) वाली जमीनें, पश्चिम की ओर सिटी सर्वे नं० 489 (भाग) वाली जमीनें हैं।

एम० जे० माथन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन इलाका-3, बंबई

तारीख : 28 फरवरी, 1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री श्रमूल्य चरण दत्ता

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

(2) कुमारी विभा घोष

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1

कलकत्ता, दिनांक मार्च 1977

निर्देश सं० सि० आर० 66/सि०-62/कल०-1/76-77 :—

अतः, मुझे, एम० के० चक्रवर्ती,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 4 है, तथा जो ध्यतावाला गलि कल० म स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5 गर्बनमैट प्रैस नार्थ कल० में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धारतविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

4 छातावाला गलि कल० में अवस्थित लगभग 2 कट्टा 9 छटां 31 वर्गफीट जमीन पर आंशिक एक और आसिक दो तल्लर का मकान ।

एस० के० चक्रवर्ती
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

तारीख : 2-3-77
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 1 मार्च 1977

आदेश न० आर० ए० सी० 228/76-77 :—यतः, मुझे
क० एस०- वेंकटरामन्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी भं० 5-7-637/ ए० तथा 5-7-637/ 5 गांधी
गंज में स्थित है (और इमने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नैजामाबाद
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 10 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 4-8-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में
वारतविक रूप से नाथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती लक्ष्मीबाई पत्नी मोहनलाल (2) श्रीमती
लीलाबाई पत्नी शंकरलाल, उस्मानगंज हैदराबाद
(अन्तरक)

(2) श्री नैजामाबाद क्लार्क मर्चेट एसोसिएशन श्रीमुक्ता
चन्द्रशेखर गुप्ता प्रेसिडेंट छ द्वार गांधी गंज नैजामाबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

नगर पालिका सं 5-7-637/1 ए० तथा 5-7-637/5
जो गांधी गंज में स्थित है जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नैजामाबाद में वस्तावेज सं 1758/76 से रजिस्ट्रीकृत है?

क० एस० वेंकटरामन्
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 1-3-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०

(1) श्री चन्द्र सिंह किमान

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) 1. श्री नारायण प्रसाद बागडिया

2 श्री शंकर प्रसाद बागडिया

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भुवनेश्वर

भुवनेश्वर, दिनांक 28 फरवरी 77

निर्देश सं० 39/76-77 /आई० ए० सी० (ए०/आर०)/
भुवनेश्वर :—यतः, मुझे, अमरेन्द्र नाथ मिश्र
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 187, 188 है, जो ब्राह्मणी
टंरग में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पानपोस
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 17-9-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
तार्थवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितद्वंद्व किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन, ब्राह्मणी टंरग मौजा, कुलुर्गा थाना और मुन्दरगढ़
जिला का 187 नम्बर प्लॉट और 188 नम्बर प्लॉट में स्थित
है। वह जमीन पानपोस सब रजिस्ट्रार आफिस में 17-9-76 तारीख
में रजिस्ट्रार हुआ जिसकी डाकुमेंट नं० 188 है।

अमरेन्द्र नाथ मिश्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भुवनेश्वर

तारीख : 28-2-77
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती कांचन सामल, स्वामी—गोविन्द सामल

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री मोनिजी सिबाजी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भुवनेश्वर

भुवनेश्वर, दिनांक 28 फरवरी 1977

निर्देश सं० 40/76-77/आई० एन० सी० (ए०/आर०)/भुवनेश्वर :—यतः, मुझे, अमरेन्द्र नाथ मिश्रा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि रथावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 53 है, जो भापुर में ब्रह्मपुर टाउन में स्थित है (और इस उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ब्रह्मपुर (टाउन) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन; तारीख 3-7-1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन, ब्रह्मपुर टाउन का भापुर मौजा में स्थित है। वह जमीन ब्रह्मपुर टाउन सबरजिस्ट्रार आफिस में 3-7-76 तारीख में रजिस्ट्रार हुआ, जिसकी डाकुमेंट नं० 1958 है।

अमरेन्द्र नाथ मिश्रा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भुवनेश्वर

तारीख : 28-2-77
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 28 फरवरी 1977

निदेश सं० एफ० 2964/76-77 :—यतः, मुझे, एम० राज-
रटनम

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सनसुरी गांव में 4, 28 एकड़ (सर्वे सं० 50 बी०, 52, 53, 54 और 55 और 50 ए०) में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सत्यमंगलम (डाकुमेंट 1220/76) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-6-1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से बध्ति नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती राजेस्वरी और साथी कृष्णकुमार (मैनर)

(अन्तरक)

(2) श्री बी० कार्लमार्ग

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(व.) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी ध्यातियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी ध्यात द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति से हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताधारी के नाम
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

सनसुरी गांव से 4, 28 एकड़ जिसका एम० एफ०
सं० 50 बी०; 52, 53, 54, 55 और 50 ए०।एम० राजरटनम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 28-2-1977

मोहर :

प्रन्ध आर्डे० टी० एन० एस०—

(1) श्री माधीकृष्णकुमार (मैत्र) (श्री जी० एन० मानीकम चेट्टियार के द्वारा)

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास 600006, दिनांक 21 फरवरी 1977

निर्देश सं० एफ० 2965/76-77—यतः, मुझे, एस० राजरटनम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि रथावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है और जिसकी सं० सनमुगै गांव में 5.76 एकड़ जिसका एस० एफ० सं० 51 और 50 ए० में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सत्यमंगलम (डाकुमेंट 1219/76) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-6-1976 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) किसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तर्गण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) श्री के० करुप्पसामी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त रथावर संपत्ति में कितना बड़ा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-व में यथा परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सनमुगै गांव में 5.76 एकड़ जिसका एस० एफ० सं० 51 और 50 ए०।

एस० राजरटनम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख : 21-2-77
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास 600006, दिनांक 28 फरवरी 1977

निदेश सं० एफ 2966/76-77 :—यतः, मुझे, एस० राज-
स्टनम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० इक्करे तात्पल्लि में 11.16 एकड़ (एस० सं० 115, 123 और 161) में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, सत्यमंगलम (डाकुमेंट 1125/76) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-6-1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

5-506GI/76

(1) श्री वेंकटसलु नायडु और श्रीमती इंदिरानी

(अन्तरक)

(2) श्री वी० एन० सुब्बैयन और चिन्नासमि

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सत्यमंगलम, इक्करे तात्पल्लि में 11.16 एकड़ जिसका
एम० सं० 115, 123 और 161।

एस० राजस्टनम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 28-2-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती कमलमाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(अन्तरक)

की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

मदाम दिनांक 28 फरवरी 1977

निर्देश सं० 4014/76-77 :—यतः, मुझे, एस० राजरटनम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिमकी सं० डोर सं० 16/56-57 सुक्खारपेट, कोयम्बतूर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० III कोयम्बतूर (डाकूमेण्ट 1778/76) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-6-1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(2) श्री एम० वेङ्कटरामन चेट्टियार

एन० वी० मल्लि चेट्टियार ;

एन० वी० वेङ्कटरामन और एन० वी० मुद्दरमनियन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कोयम्बतूर, सुक्खारपेट, डोर सं० 16/56-57 में 2387 स्क्वयर फीट का भूमि (मकान के साथ)

एस० राजरटनम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख : 28-2-77

मोहर :

प्ररूप आर्द० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती आर० दम

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ब(1) के अधीन सूचना

(2) श्री लक्ष्मीचन्द देवराज और श्रीमती शान्ता लक्ष्मी चन्द देवराज

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 28 फरवरी 1977

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

निर्देश सं० 4015/ 76-77 :—यतः, मुझे, एस० राज-रटनम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० डोर सं० 28/25 वेस्ट पोन्नुरंगम रोड, आर० एस० पुरम, कोयम्बतूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० III, कोयम्बतूर (डकुमेण्ट 1822/76) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-6-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269 ग के अन्तर्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोयम्बतूर, आर० एस० पुरम, वेस्ट पोन्नुरंगम रोड, डोर सं० 28/25 में 8820 स्क्वयर फीट (मकान के साथ)

एस० राजरटनम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख : 28-2-77

मोहर :

आई० टी० एन० एस०—

(1) डाक्टर (श्रीमती) सी० पी० उमा पार्वती
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

(2) श्री के० देवदास
(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 28 फरवरी 1977

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

निदेश सं० 4016/ 76- 77 :—यतः, मुझे, एस० राज-
रटनम

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० डोर सं० 29/57-58 रामलिंगम रोड आर० एस० पुरम कोयम्बतूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे०एस० आर० III कोयम्बतूर (डकुमण्ट 1855/76) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

अनुसूची

कोयम्बतूर, आर० एस० पुरम, रामलिंगम रोड, डोर सं०
29/57-58 में 7920 स्क्वियर फीट (मकान के साथ)

एस० राजरटनम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख : 28-2-77
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती डी० बदमावती

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

(2) श्री बी० ए० बरताराज

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 28 फरवरी 1977

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

निदेश सं० 4020 /76-77 :—यतः, मुझे, एस० राज-
रटनम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कोयम्बतूर, अनुप्पर पालयम गांव, टी०
एस० 1/295 में 15 सेन्ट का भूमि में स्थित है (और इसमें
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० III कोयम्बतूर
(डाकुमेन्ट 2263/76) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उप-
धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

कोयम्बतूर, अनुप्पर पालयम गांव, टी० एस० सं० 1/295
में 15 सेन्ट की खाली भूमि (ए० टी० ती० कालोनी, कोयम्बतूर
18)।

एस० राजरटनम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 28-2-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती डी० बदमावति अम्माल

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री बी० ए० रामस्वामी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 28 फरवरी 1977

निर्देश सं० 4021/ 76-77 :—यतः, मुझे, एस० राजरटनम आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० कोयम्बतूर, अनुप्पर पालयम गांव में 15 सेण्ट की भूमि (टी० एस० सं० 1/295) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० III, कोयम्बतूर (डाकुमेन्ट 2364 / 76) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिख में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कोयम्बतूर, अनुप्पर पालयम गांव, टी० एस० सं० 1/295 में 15 सेण्ट की खाली भूमि । (ए० टी० टी० कालनि, कोयम्बतूर-18) ।

एस० राजरटनम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, मद्रास

तारीख : 28-2-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

(1) श्री मकनी वेन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री पी० गेलबराज

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 28 फरवरी 1977

निदेश सं० 11/अगस्त/76-77:—यतः, मुझे, जी०
रामनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 175 और 176/1 है, जो कोणगापुरम में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नामक्कल (पत्र सं० 418/76)
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, अगस्त, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिती)
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेलम जिल्ला, कोणगापुरम गांव एस० सं० 175 में 3
एकड़ और 176/1 में 10 सेन्ट में आवा भाग खेती की भूमि
और आदि

जी० रामनाथन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 28-2-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती सुन्दरम्मा

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री बासकरन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

अर्जन रेंज-II, मद्रास

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

मद्रास, दिनांक 28 फरवरी 1977

निर्देश सं० 19/ सितम्बर/ 76-77 :—यतः, मुझे, जी० रामनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिसकी सं० 108/2 है, जो कुलसेकरनल्लूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अरप्पुकोट्टै (पत्र सं० 1101/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सितम्बर, 1976

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अरप्पुकोट्टै, कुलसेकरनल्लूर गांव एस० सं० 108/2 में 7.82 एकड़ खेती की भूमि।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 28-2-1977

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री एस० तंगैया पिल्लौ

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एस० फरीदकरन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 28 फरवरी 1977

निदेश सं० 22/ अगस्त/ 76-77 :—यतः, मुझे, जी० राम-

नाथन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो पुडुपट्टी गांव में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उत्तमपालयम (पत्र सं० 1630/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृक्षमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृक्षमान प्रतिफल से, ऐसे वृक्षमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
6—506 GI/76

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

उत्तमपालयम, पुडुपट्टी गांव एस० सं० 181/1 (1 एकड़),
182/1ए० (0.08 एकड़), 217/2 बी० (0.62 एकड़),
217/3 (0.32 एकड़), 182/2 (0.06 $\frac{7}{12}$ एकड़),
218/2 (0.79 एकड़), और 221/2 (0.04 एकड़) में
2.91 $\frac{7}{12}$ एकड़ खेती की भूमि।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 28-2-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्रीमती सज्ज्जी भम्माल और आदि

(अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 28 फरवरी 1977

निदेश सं० 59/जुलाई/76-77 :—अतः, मुझे, जी० राम-

नाथन

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 110,111,113,109बी०, 109 सी०, 109, 109 ए० है, जो नामककल रोड स्ट्रीट तिरुवेंगोडु में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तिरुवेंगोडु (पत्र सं० 1250/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 7-7-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थितः—

(2) श्री एस० बी० मन्दी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

तिरुवेंगोडु, नामककल रोड स्ट्रीट और सं० 110,111, 113, 109 बी०, 109 सी०, 109, 109 ए० (एस० सं० 103/11) में 3000 स्क्वियर फीट की भूमि (मकान के साथ) ।

जी० रामनाथन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 28-2-1977

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एम० एस०—

(1) ओ० के० इंजीनियरिंग को०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(अन्तरक)

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

(2) श्री सी० ए० बशीर अहमद

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 28 फरवरी 1977

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

निदेश सं० 66/जुलाई/76-77 :—यतः, मुझे, जी० राम-

नाथन

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिसकी सं० प्लॉट सं० 1, टी० एस० सं० 106/5 ए० बी० के० नगर, अलगापुरम है, जो सेलम में स्थित है (और इससे उपाध्वज अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सेलम (पत्र सं० 2095/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जुलाई, 76

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

सेलम, ए० बी० के० नगर, अलगापुरम प्लॉट सं० 1 (टी० एस० सं० 106/5) में 6000 स्क्वियर फीट की भूमि (सकान के साथ)।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 28-2-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

(1) श्रीमती कमल पिल्लै (पार्ष्वती सम्माल)

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

(2) श्री आर० मोहन

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 28 फरवरी 1977

निदेश सं० 70/जुलाई/76-77 :—यत्, मुझे, जी० रामनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० नयी टी० एम० 2/2 एम० वल्लीयकुल क्षत्रीयर स्ट्रीट, सेलम है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सेलम (पत्र सं० 2059/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जुलाई, 1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेलम, वल्लीयकुल क्षत्रीयर स्ट्रीट नयी टी० एम० सं० 2/2 एम० प्लॉक II, के वार्ड में 1840 स्क्वयर फीट की खाली भूमि।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 28-2-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती कमलम्नाल

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

(2) श्री आर० मोहन

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 28 फरवरी 1977

निदेश सं० 71/जुलाई/76-77 :—यतः, मुझे, जी० राम-
नाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० नयी टी० एस० 2/2 एम० वल्लीयकुल क्षत्रीयर स्ट्रीट, सेलम है, (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सेलम (पत्र सं० 2060/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जुलाई, 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेलम वल्लीयकुल क्षत्रीयर स्ट्रीट नयी टी० एस० सं० 2/2 एम० ब्लाक 11, के वार्ड में 1840 स्क्वयर फीट की खाली भूमि।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 28-2-1977

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस० ———

—(1) श्री एस० रामसामी और अयाद

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 28 फरवरी 1977

निर्देश सं० 72/जुलाई, 76-77:—यतः, मुझे, जी० राम-नाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 100 है, जो नाच्चामपट्टी गांव सेलम जिला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ओललर (पत्र सं० 1286/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जुलाई, 1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और; या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(2) श्री मुलु गउन्डर और माणीक्कम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेलम जिला, नाच्चनामपट्टी गांव एस० सं० 100 में 4.16 एकड़ खेती की भूमि।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 28-2-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 25 फरवरी 1977

सं० आर० ए० सी० नं० 385—यत, मुझे, के० सुब्बाराव,
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है

और जिसकी सं० 377/1, 377/2 738/3 है, जो कोटेरु
ग्राम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बुध्बुरु में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 30-7-1976 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27), के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री काटूरि विजया सारधि
2. आनंदाचला रमणा
3. वेंकटेश्वराराव, शांतिपुरम, विषाकपटनम
(अन्तरक)

(2) श्री नडकुदुरु वेंकटानरमथ्या काटेरु
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बुध्बुरु रजिस्ट्री अधिकारी से पंक्षिक्त अतः 31-7-76 में
पंजीकृत दस्तावेज नं० 2912/76 में निगमित अनुसूची सम्पत्ति।

के० सुब्बाराव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकिनाडा

तारीख : 25-2-77
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

(1) शंकर नारायणन ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती पेन्नम्मा ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोच्चिन-16, दिनांक 2 मार्च 1977

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

निर्देश सं० एल० सी० 126/76-77:—यतः, मुझे, एस०
एन० चन्द्रचूटन नायर,

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ग
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो ट्रिचूर में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, ट्रिचूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-6-76 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

अनुसूची

5½ Cents of land with buildings in Sy. No. 1455/3 of
Trichur Town.

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

एस० एन० चन्द्रचूटन नायर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 2-3-77

सोहर :

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 24th February 1977

No. A.12025(ii)/3/74-Admn.III.—On completion of their India has been pleased to make the following appointment in the Registry of the Supreme Court of India with effect from the forenoon of 24th February 1977, until further orders:—

1. Shri P. N. Likhyani, Private Secretary to Hon'ble Judge is appointed to officiate as Private Secretary to the Hon'ble the Chief Justice of India.
2. Shri K. K. Sehgal, officiating Private Secretary to the Hon'ble the Chief Justice of India is appointed as Private Secretary to Hon'ble Judge.

S. K. GUPTA,
Registrar (Admn.)

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 23rd February 1977

No. A.12025(ii)/3/74-Admn.III.—On completion of their training, which commenced on 1st July, 1976, at the I.S.T. & M, New Delhi, the following Section Officers, appointed as probationers' in the Section Officers' Grade of the CSS cadre of the UPSC vide this Office Notification of even number dated the 27th August 1976, assumed charge as Section Officer (Probationer) in the same cadre with effect from the forenoon of 1st February 1977.

1. Shri Mukunda Behari Ray.
2. Shri Krishna Kumar Jha.

B. K. LAL,
Dy. Secy. (Admn.)
Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DIRECTORATE GENERAL, CRPF

New Delhi-110001, the 2nd March 1977

No. O.II-6/71-Estt.—Consequent on his repatriation to parent state i.e. Rajasthan, Shri J. K. Balani, IPS relinquished charge of the post of DIGP, CRPF, Ajmer on the afternoon of 14th February, 1977.

No. F.1/3/76-Estt (CRPF).—The President is pleased to appoint on re-employment Brig. Ajit Singh (Retd.) as Deputy Director (Communications) in the Directorate General, CRP Force.

2. Brig Ajit Singh handed over charge of the post of Wireless Adviser in the Directorate General, CRPF on 27-8-76 (FN) and took over charge as Deputy Director (Communications) on 27-8-76 (FN).

A. K. BANDYOPADHYAY,
Asstt. Director (Adm.)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 25th February 1977

No. 11/10/76-Ad.I.—In continuation of this office notification of even number dated 9th September, 1976, the President is pleased to extend the ad-hoc appointment of Shri Jagdish Singh as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Delhi with effect from the forenoon of the 1st March 1977 upto the 27th August, 1977.

The headquarters of Shri Jagdish Singh will continue to be at Delhi.

7—506GI/76

The 28th February 1977

No. 11/4/76-Ad. I.—The President is pleased to extend the ad-hoc appointment of the following officers in the posts of Assistant Director of Census Operations, (Technical) in the offices of the Director of Census Operations mentioned against each, with effect from the forenoon of 1st March, 1977 upto 8th April, 1977 or till the posts are filled up on a regular basis, whichever is earlier:—

Sl. No.	Name	Office of the Director of Census Operations.	Headquarters at	Previous reference No..
1	2	3	4	5
1.	Shri K. S. Dey	Assam	Gauhati	11/4/76-Ad. I dt. 28-8-76.
2.	Shri R. B. Singh	Bihar	Patna	11-4-76-Ad. I dt. 26-10-76.
3.	Shri J.R. Vashishtha	Haryana	Chandigarh	11-4-76-Ad. I dt., 25-9-76
4.	Shri H. L. Kalla	Jammu & Kashmir.	Srinagar	11-4-76-Ad. I dt. 25-9-76.
5.	Shri B. Satyanarayana.	Karnataka	Bangalore	11-4-76-Ad. I dt. 25-9-76
6.	Shri S. Jayashanker	Kerala	Trvandrum	11-4-76-Ad. I dt. 4-11-76.
7.	Shri A. K. Biswas	Lakshadweep.	Kavaratti	11-4-76-Ad. I dt. 31-12-76.
8.	Shri S. K. Swain	Orissa	Cuttack	11-4-76-Ad. I dt. 13-9-76.
9.	Shri R.C. Bhargava	Rajasthan	Jaipur	11-4-76-Ad. I dt. 28-8-76.
10.	Shri M. Panchapakesan	Tamil Nadu	Madras.	11-4-76-Ad. I dt. 28-8-76.
11.	Shri Anser Ahmed	Tamil Nadu	Madras	11-4-76/Ad. I dt. 4-11-76
12.	Shri O. P. Sharma	Uttar Pradesh	Lucknow	11-4-76-Ad. I dt. 20-11-76.
13.	Shri M.C. Padalia	Uttar Pradesh	Lucknow	11-4-76-Ad. I dt. 10-1-77.

BADRI NATH, Dy. Registrar Genl. India
and ex-officio Dy. Secy.

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,

CENTRAL REVENUES

New Delhi, the 26th February 1977

No. Admn.I/O.O.-1138/5-5/Promotion/3284.—The Accountant General, hereby, appoints Sh. R. K. Bishnoi, a permanent Section Officer of this office to officiate as Accounts Officer, in the time scale of Rs. 840-1200, with effect from the forenoon of 14th February, 1977, until further orders.

No. Admn.I/O.O. 1131/5-8/70-77/3223.—The Accountant General has ordered, under 2nd proviso to FR 30(1), pro-forma promotion of the following permanent Section Officers of this office to officiate as Accounts Officers in the time scale of Rs. 840-1200 retrospectively with effect from the dates shown against each until further orders :—

1. Shri M. M. S. Oberoi, 25-5-76 (FN).
2. Shri K. P. Jhamb, 25-5-76 (FN).
3. Shri K. B. Mathur, 20-5-76 (AN).
4. Shri B. B. Grotra, 20-5-76 (AN).
5. Shri Ram Pat Gupta, 20-5-76 (AN).

M. L. SOBTI,
Sr. Dy. Accountant Genl. (A)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL COMMERCE WORKS & MISC.

New Delhi the 25th February 1977

No. O.O.No. ADMN.I/216.—Shri Radhakrishnan an Officiating Accounts Officer of this organisation is appointed in a substantive permanent capacity in the Accounts Officers Cadre with effect from 1-2-76 in the vacancy caused by retirement of Shri P. Gupta, Accounts Officer.

G. N. PATHAK,
Accountant General.

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110022, the 23rd February 1977

No. 7921/AN-II.—Consequent on his permanent absorption in the National Fertilizers Limitd, New Delhi, the resignation-tendered by Shri B. B. Singh from his appointment in the Indian Defence Accounts Service has accepted with effect 1-1-1977 (FN). Accordingly he has been struck off the strength of this Department from that date.

The 28th February 1977

No. 18367/AN-II.—On his selection for appointment to the Indian Police Service, Shri K. M. Shivakumar, Indian Defence Accounts Service (Probationer), has been struck off the strength of the Defence Accounts Department with effect from 26-11-1976 (AN).

P. K. RAMANUJAM,
Addl. Controller General of Defence Accounts (AN).

MINISTRY OF DEFENCE INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE DIRECTORATE GENERAL ORDNANCE FACTORIES

Calcutta, the 21st February 1977

No. 4/77/G.—The President is pleased to appoint the under-mentioned officers as Offg. General Manager, Gr. I with effect from the date shown against them, until further orders :—

- (1) Shri A. P. Bhattacharyya, Permt General Manager, Gr. II, 10th Dec., 1976.
- (2) Shri B. N. Basu, Permt. General Manager, Gr. II, 10th Dec. 1976.

M. P. R. PILLAI,
Asstt. Director General,

MINISTRY OF LABOUR DIRECTORATE GENERAL OF MINES SAFETY Dhanbad, the 24th February 1977

No. 7(4)72-Adm.I/2767.—Shri P. N. Kapoor a permanent Law Assistant has been promoted to officiate as Law Officer, Grade II in the Directorate General of Mines Safety, Dhanbad with effect from the forenoon of the 8th November, 1976, until further orders.

The 25th February 1977

No. 2A(2)76-Adm.I.—Shri Bimal Krishna Prasad has been appointed as Assistant Director of Mines Safety in the Directorate-General of Mines Safety on probation for a period of two years with effect from the forenoon of 27th October, 1976.

S. D. PRASAD,
Director-General of Mines Safety.

DEPARTMENT OF SUPPLY DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS New Delhi, the 24th February 1977

No. A-6/247(226)/76-III.—The President is pleased to appoint Sh. H. Ananthapadmanabhullu, Asstt. Inspecting Officer (Met. Chem.) to officiate as Asstt. Director of Inspection (Met. Chem.) in Grade III of IIS (Class I) with effect from the forenoon of 5th February, 1977 until further orders.

2. Shri Ananthapadmanabhullu relinquished the charge of the post of Asstt. Inspecting Officer (Met. Chem.) in the Jamshedpur Inspection Circle on 5-2-77 and assumed charge of the post of Asstt. Director of Inspection (Met. Chem.) at Jamshedpur Inspection Circle on 5th February, 1977.

SURYA PRAKASH,
Dy. Director (Admn.)
for Director General of Supplies and Disposals

MINISTRY OF STEEL AND MINES (DEPARTMENT OF MINES) INDIAN BUREAU OF MINES Nagpur, the 23rd February 1977

No. A-19011(21)/70-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri L. G. Laghate, Deputy Controller of Mines, Indian Bureau of Mines to officiate as Regional Controller of Mines in the Indian Bureau of Mines on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 7th February, 1977, until further orders.

No. A-19012(57)/73-Estt. A.—On his deputation to National Mineral Development Corporation as Deputy Mineral Dressing Engineer, Shri S. D. Buche, Assistant Research Officer (Ore Dressing) has relinquished the charge of the post of Assistant Research Officer (Ore Dressing) with effect from the afternoon of 28th December 1976.

The 25th February 1977

No. A.19011(179)/75-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri S. M. Pimple to the post of Assistant Controller of Mines in the Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 14th February, 1977

The 1st March 1977

No. A-19012(56)/73-Estt.A.—On his deputation to Hindustan Zinc Limited, Udaipur as Ore Dressing Engineer, Shri B. Sanjeeva Rao, Assistant Research Officer (Ore Dressing) relinquished the charge of the post of Assistant Research Officer (Ore Dressing) with effect from the afternoon of 14th February, 1977.

No. A-19011(210)/77-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri Amanullah, to the post of Asstt. Ore Dressing Officer in the Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the afternoon of 17th February 1977, until further orders.

No. A.19011(211)/77-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri P. N. Deo, to the post of Asstt. Ore Dressing Officer in the Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 21st February, 1977 until further order.

H. K. TANEJA
Asstt. Administrative Officer
for Controller

ZOOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-12, the 28th February 1977

No. P. 70-20/76-Estt./4596.—On the recommendation of the D.P.C., Smt. Namita Sen, Senior Librarian working as Head Librarian on *ad hoc* basis in Zoological Survey of India, is appointed to officiate as Head Librarian in the same Department with effect from 3rd February, 1977, on regular basis, in the scale of pay of Rs. 650—1200, until further order.

Dr. S. KHERA
Joint Director-in-Charge

The 26th February 1977

No. A. 22012/1/77-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri P. V. Srinivasan, Desk Officer in the Department of Health (Permanent Section Officer of the C.S.S.) to officiate in Grade I of the C.S.S. for the period from the forenoon of the 3rd February, 1977 to 19th March, 1977 vice Shri Sangat Singh, proceeded on leave.

2. The President is also pleased to appoint Shri P. V. Srinivasan as D.D.A. (Stores) in the Directorate General of Health Services, for the aforesaid period.

S. L. KUTHIALA
Dy. Director Admn. (O&M)

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING

FILMS DIVISION

Bombay-26, the 26th February 1977

No. A. 12026/5/76-Estt.I.—The Chief Producer, Films Division, has appointed Shri K. B. Nair, Officiating Assistant Newsreel Officer, Films Division, Trivandrum, to officiate as Cameraman in the Films Division, Bombay, from the forenoon of the 23rd February, 1977, *vice* Shri J. N. Desai, Permanent Cameraman, appointed as Cameraman, C.F.U.

M. K. JAIN
Administrative Officer
for Chief Producer

New Delhi, the 2nd March 1977

No. A. 22012/59/76-CHS.I.—Consequent on his transfer, Dr. Subash Chakraborty, an Officer of G.D.O. Grade I of the C.H.S., relinquished charge of the post of Deputy Port Health Officer in the Port Health Organisation, Kandla, on the forenoon of the 25th November, 1976.

Dr. S. Chakraborty was granted earned leave for 44 days from the 25th November, 1976 to the 7th January, 1977 with permission to suffix Second Saturday and Sunday, the 8th and 9th January, 1977. Dr. S. Chakraborty assumed charge of the post of Research Officer in the National Institute of Communicable Diseases, Delhi, on the forenoon of the 10th January, 1977.

K. VENUGOPAL
Dy. Director Adm. (CHS)

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 26th February 1977

No. A. 12025/1/77-SI.—The President is pleased to appoint Shri C. Vittoba as D.A.D.G. (MS), in the Medical Stores Organisation, with effect from 2nd February 1977 (F.N.) until further orders.

The 1st March 1977

No. A. 12025/7/76-SI.—The President is pleased to appoint Shri Y. K. Aggarwal as Depot Manager, in the Medical Store Organisation, with immediate effect.

P. V. SRINIVASAN
Dy. Director Admn. (Stores)
for Director General of Health Services

New Delhi, the 2nd March 1977

No. A.38013/2/76-CGHS.I.—Consequently on her voluntary retirement, Dr. (Mrs.) S. Chandio, G.D.O. Grade I relinquished charge of the post of Medical Officer Grade I on the afternoon of 19th January, 1977.

R. K. JINDAL
Dy. Director, Admn. (CGHS)

New Delhi, the 1st March 1977

No. A-12025/2/76-D.—The Director General of Health Services hereby appoints Shri Ant Ram Singh as Drugs Inspector in the West Zone office of the Central Drugs Standard Control Orgn., of the Directorate General of Health Services at Bombay, in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 7th February, 1977 and until further orders.

S. S. GOTHOSKAR
Drugs Controller (India)
for Director General of Health Services

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION
(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)

DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Nagpur, the 3rd February 1977

No. F.2/8/76-DII.—For the purpose of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue), Ministry of Finance (Revenue Division), Ministry of Commerce, Ministry of Foreign Trade, Notifications No. 12, dt. 9-6-1945, No. 1 Camp. dt. 5-1-1946, No. 6 dt. 5-2-1949, No. 64 dt. 17-6-61, No. 124 dt. 15-9-62, No. 1135 dt. 7-8-1965, No. 125, 126, 127 dt. 15-9-62, No. 1131, 1132 dt. 7-8-1965, No. 2907 dt. 5-3-71, No. 3601-A, 3601-B, 3601-C dt. 1-10-71, No. 3099 dt. 3-11-73, No. 1127 dt. 21-4-73, No. 1130 dt. 7-8-1965, No. 48 dt. 24-5-1954, No. 173 dt. 29-12-1954, No. 5 dt. 14-1-1964 and published in the Gazette of India, I hereby authorise the following officers, to issue Certificate of Grading from the issue of this notification in respect of Tobacco, Myrobalans, Pulses, Black Pepper, Chillies Cardamom, Ginger, Turmeric, Coriander, Fennel Seed, Fenugreek Seed, Celery Seed, Cumin Seed, Curry powder, Tendu leaves, Wool, Bristles and Goat Hair, which have been graded in accordance with the provisions of the Grading and Marking Rules of the respective commodities and formulated under section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937, (I of 1937).

Name of the Officer and Designation

1. Shri R. C. Banerjee—Marketing Officer.
2. Dr. V. K. Verma—Assistant Marketing Officer.

2. Consequent on his appointment to the post of Deputy Director (Medical Entomology), Shri K. G. Samnotra relinquished charge of the post of Assistant Director (Ent.) at the National Malaria Eradication Programme, Delhi with effect from the forenoon of the 1st February, 1977 on an *ad hoc* basis and until further orders.

The 25th February 1977

No. A. 32013/1/77(NMEP)/Adm.I.—The President is pleased to appoint Shri K. G. Samnotra to the post of Deputy Director (Medical Entomology) at the National Malaria Eradication Programme, Delhi with effect from the forenoon of the 1st February, 1977 on an *ad hoc* basis and until further orders.

New Delhi, the 24th February 1977

No. A. 12025/9/76(CGHS)Admn.I(Pt.II).—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. P. K. Ghosh to the post of Dental Surgeon, Central Government Health Scheme, Calcutta, with effect from the forenoon of 3rd January, 1977 in a temporary capacity and until further orders.

The 16th February 1977

No. F.2/8/76-DII.—For the purpose of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue), notification No. 1 174-CUS dated 26-12-1964 published in the Gazette of India, I hereby authorise Shri R. B. Saha Assistant Marketing Officer, to issue Certificate of Grading from the date of issue of this notification in respect of Animal Casings, which has been graded in accordance with the provisions of the Grading and Marking Rules of the respective commodity and formulated under section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (I of 1937).

The 1st March 1977

No. F.5/11/77-DII.—In exercise of the powers conferred by the Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue) Customs Notification No. 1421 dated the 31st August 1963, I hereby authorise Shri Phillip Itteyarah, Marketing Officer, to issue the Certificate of Grading from the date of issue of this notification, in respect of Walnuts which have been graded in accordance with the Walnuts Grading and Marking Rules, 1966 as amended from time to time and the export of which is subject to the provisions of the above notification.

J. S. UPPAL
Agricultural Marketing Adviser
to the Govt. of India

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE (PERSONNEL DIVISION)

Bombay-200685, the 23rd June 1976

No. PA/81(49)/76-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints the under-mentioned temporary Scientific Assistants (C) in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officers/Engineers-Grade SB in the same Centre in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1976, until further orders.

S. No.	Name
1.	Shri Chandra Prakash Joshi
2.	Smt. Saramma Ponnamma Jacob.

P. UNNIKRISHNAN
Dy. Establishment Officer (R)

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY (DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES)

Bombay-400 001, the 14th February 1977

No. DPS/A/11013/65/75/Est/2556.—Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Bahubhai Mohanlal Ganatra, a permanent Assistant Accountant and officiating Accountant in this Directorate as Assistant Accounts Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-960 in the same Directorate as follows :

- to officiate as Assistant Accounts Officer on an *ad hoc* basis for the period from February 23, 1976 (F.N.) to September 30, 1976 (A.N.).
- to officiate as Assistant Accounts Officer with effect from October 1, 1976 until further orders.

V. P. CHOPRA
Administrative Officer

Bombay-400 001, the 17th February 1977

No. DPS/A/32011/2/75/Est./2541.—Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Abdul Aziz Shaikh, a permanent Upper Division Clerk in the Bhabha Atomic Research Centre and officiating Accountant of this Directorate to officiate as Assistant Accounts Officer on an *ad hoc* basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 in the same Directorate as follows :

- From 11-5-1976 to 11-6-1976 *vice* Shri V. K. Potdar, Asstt. Accounts Officer appointed as Accounts Officer-II.

- From 13-12-1976 to 12-1-1977 *vice* Shri K. P. Wadia, Asstt. Accounts Officer granted leave.

Ref. No. DPS/A/32011/2/76-Est./2483.—In continuation of this Directorate notification of even number dated July 15, 1976, Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Mihir Chandra Roy, a permanent Store-keeper in the Central Stores Unit, Trombay to officiate as an Assistant Stores Officer on an *ad hoc* basis for a further period ending January 31, 1977 (A.N.).

B. G. KULKARNI
for Administrative Officer

(RAJASTHAN ATOMIC POWER PROJECT)

Kota, the 26th February 1977

No. RAPP/04627/1(408)/77-S/Admn./980.—Consequent on his resignation from service having been accepted by the Chief Project Engineer, Rajasthan Atomic Power Project, Shri Gajendra Singh, a quasi-permanent Scientific Assistant Grade 'B' and officiating as Scientific Officer/Engineer Grade SB of this Project has relinquished charge of his post in the afternoon of 7th February 1977.

GOPAL SINGH
Administrative Officer (Estt.)

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 2nd March 1977

No. 05000/C-46/1069.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Dibakar Chattopadhyay, a permanent Auditor and officiating Section Officer of office of the Accountant General, Orissa, Bhubaneswar, to officiate as Assistant Accounts Officer, in Heavy Water Project (Talcher) in a temporary capacity, with effect from February 7, 1977 (F.N.) until further orders.

T. C. SATHYAKEERTHY
Senior Administrative Officer

(TARAPUR ATOMIC POWER STATION)

Thana-401 504, the 20th January 1977

No. TAPS/Adm./673-A(XIV).—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy appoints Shri N. K. Sreedhara as Scientific Officer/Engineer 'SB' in the Tarapur Atomic Power Station in a temporary capacity with effect from the forenoon of December 10, 1976.

A. D. BHATIA
Junior Administrative Officer

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION (INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT)

New Delhi-3, the 25th February 1977

No. E(I)04296.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri R. N. Sen, Professional Assistant, Office of the Director Regional Meteorological Centre, New Delhi, as Assistant Meteorologist for a period of Fifty-three days with effect from the forenoon of 7-2-77 to 31-3-77.

Shri R. N. Sen, Officiating Assistant Meteorologist, remains posted to the office of the Director, Regional Meteorological Centre, New Delhi.

The 28th February 1977

No. E(1)04260.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri T. M. Sambamurthy, Professional Assistant, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Bombay as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of 57 days with effect from the forenoon of 3-2-77 to 31-3-77.

Shri Sambamurthy, Officiating Assistant Meteorologist, remains posted to the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Bombay.

The 2nd March 1977

No. E(1)03426.—On attaining the age of superannuation, Shri V. S. Sarma, Assistant Meteorologist, Meteorological Office, Visakhapatnam under the Director, Regional Meteorological Centre, Madras, India Meteorological Department, retired from Government service with effect from the afternoon of 31st December, 1976.

M. R. N. MANIAN,
Meteorologist
for Director General of Observatories

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 28th February 1977

No. A. 38012/9/76-EA.—Shri R. P. O'Connell, Senior Aerodrome Officer, Nagpur retired from Govt. service on 10-2-1977 A.N. under F.R. 56 (K).

C. K. VATSA
Asst. Director of Administration

New Delhi, the 23rd February 1977

No. A-19012/3/77-Hindi.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri O. P. Bakshi as Hindi Officer in the Civil Aviation Department w.e.f. 7-2-77 (F.N.) on *ad-hoc* basis and until further orders and post him in the office of the Principal, Civil Aviation Training Centre, Allahabad.

H. L. KOHLI
Deputy Director of Administration
for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 25th February 1977

No. A. 31014/1/75-ES.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following officers in substantive capacity in the grade of Gliding Instructor in the Civil Aviation Department with effect from the date indicated against each :—

Sl. No.	Name	Date from which confirmed.
1. Shri S. K. Tambay		22-10-1973.
2. Shri P. N. Sharma		22-10-1973.
3. Shri B. K. Sahay		22-10-1973.

The 28th February 1977

No. A. 12025/8/75-EC.—The President is pleased to appoint the following persons in the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department as Technical Officer in an officiating capacity with effect from the date shown against each and until further orders, and to post them at the stations indicated against each :—

Sl. No.	Name	Date from which appointed	Office/station to which posted
1. Shri K. Viswanatham		27-1-1977 (F.N.)	C.A.T.C., Allahabad.
2. Shri V. Ananthamoorthy		27-1-1977 (F.N.)	C.A.T.C., Allahabad.
3. Shri N. Parthasarathy		28-1-1977 (A.N.)	Director, Radio Const. and Dev. Units, Safdarjung Airport, New Delhi.

No. A. 38012/1/77-EC.—The following officials of the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department relinquished charge of their office on the

31st January, 1977 (AN) on retirement from Government service on attaining the age of superannuation :—

Sl. No.	Name and designation	Station of Posting.
1. Shri H. N. Iyer,	Controller of Communication.	A.C.S., Madras.
2. Shri C. R. Narasingham,	Senior Tech. Officer.	A. C. S., Madras.

The 1st March 1977

No. A. 35019/1/76-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to permit the absorption of Shri M. Y. Bhat, a permanent Assistant Technical Officer of the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department with effect from the 26th April, 1976 in the A.R.C. (Technical) of the Directorate General of Security (Mahamdeshalaya Suraksha), office of the Director, ARC, New Delhi.

H. L. KOHLI
Deputy Director (Administration)

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 28th February 1977

No. 1 409/77-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri R. R. Nalkur, Supervisor, Bombay Branch as Deputy Traffic Manager, in an officiating capacity in the same Branch, for the period from 19-11-1976 to 31-12-1976 (both days inclusive), against a short-term vacancy.

No. 1 311/77-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri A. S. Paes, Supervisor, Bombay Branch as Deputy Traffic Manager in an officiating capacity in the same Branch, for the period from 15-11-76 to 1-12-76 (both days inclusive), against a short-term vacancy.

H. L. MALHOTRA
Dy. Director (Admn.)
for Director General

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Allahabad, the 13th December 1976

No. 82/1976.—Shri Anand Gopal Saxena confirmed Inspector (S.G.) of Central Excise Collectorate, Allahabad (on deputation to the Directorate of Revenue Intelligence, (Lucknow) is appointed to officiate as Superintendent of Central Excise, Group 'B' until further orders, in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 vide Collector of Central Excise, Kanpur's Establishment Order No. J/A/278/76 dated 27-9-76 issued under endt. C. No. II-140-Et/43915 dated 27-9-76 and I-A/313/1976 dated 28-10-76 issued under endt. C. No. II-140-Est/76/47927 dated 28-10-76 assumed charge of the office of the Superintendent, Central Excise, Group 'B' in the Customs Preventive Division, Gorakhpur on 17-11-76 forenoon relieving Shri A. N. Gaur, Superintendent, Central Excise Group 'B' of the Additional charge.

The 14th December 1976

No. 83/1976.—Shri Jiwan Chand Joshi, Officiating Superintendent of Central Excise Group 'B' on leave preparatory to retirement posted as Superintendent (Tech) in the Central Excise Integrated Divisional Office, Moradabad has retired from Government service in the after-noon of 30-11-1976.

The 24th January 1977

No. 1/1977.—Shri R. P. Srivastava, confirmed Inspector (S.G.) posted in the Integrated Divisional Office, Varanasi and appointed to officiate as Superintendent, Central Excise Group 'B' until further orders in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 vide this office Establishment Order No. 301/1976 dated 3-12-76 took over charge of the office of the Superintendent Group 'B' in the Central Excise Hdqrs. Office, Allahabad on 28-12-76 (F.N.).

No. 2/1977.—Shri R. C. Verma, confirmed Inspector (S.G.), posted in Integrated Divisional Office, Sitapur and appointed to officiate as Superintendent, Central Excise Group 'B' in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 *vide* this office Establishment Order No. 313/1976 dated 7-12-76 issued under endt. C. No. II(3)56-Estt/76/46905 dated 7-12-76 took over charge of the office of the Superintendent of Central Excise Group 'B' in the Central Excise Hdqrs. Office, Allahabad on 15-12-76 (F.N.).

No. 3/1977.—Shri Harnath Singh Officiating Superintendent of Central Excise Group 'B' posted as Superintendent (I.G.) in the Central Excise Integrated Divisional Office, Allahabad has retired from Government service in the afternoon of 30-11-1976.

The 25th February 1977

No. 6/1977.—Shri C. B. Pal Officiating Office Superintendent posted at Central Excise Hdqrs. Office, Allahabad has been appointed to officiate as Administrative Officer, Central Excise, Group 'B' in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, until further orders. He assumed charge as Administrative Officer in the Customs Preventive Division, Lucknow in the afternoon of 8-11-76.

H. N. RAINA,
Collector

Patna, the 25th February 1977

C. No. II(7)5-ET/75/2301.—Sri K. M. Saran, Supdt. Group "B" of Central Excise, Hdqrs. Office, Patna who proceeded on leave preparatory to retirement, *vide* Estt. order No. 239/76 dated 6-9-76, after relinquishing his charge on 30-10-76 (A.N.), retired from service on superannuation with effect from 31-1-77 (A.N.)

C. No. II(7)5-ET/75/2287.—The following Group 'B' Officers of Central Excise/Customs Collectorate, Patna have retired from service on superannuation with effect from dates and hours indicated against each :—

Sl. No.	Name	Designation	Date of superannuation
1.	Shri M. A. Hamid	Assistant Chief Accounts Officer, C. Ex.	30-11-76 (A.N.)
2.	Shri M. N. Sarkar	Supdt. C. Ex.	30-11-76 (A.N.)
3.	Shri D. K. Sinha	Supdt. C. Ex.	30-11-76 (A.N.)
4.	Shri B. Mukherjee	Supdt. C. Ex.	31-12-76 (A.N.)
5.	Shri K. M. Dayal	Supdt. C. Ex.	31-12-76 (A.N.)

Sd./- ILLEGIBLE
Collector

PARTICULARS OF PERSONS CONVICTED/
PUNISHED UNDER CENTRAL EXCISE AND
SALT ACT 1944 AND THE RULES MADE THEREUNDER
DURING THE QUARTER ENDING 30-9-1976

Madurai, the 23rd February, 1977

Sl. No.	Names and Addresses of persons convicted/punished.	Particulars of offences.
(1)	(2)	(3)
1.	Shri. V. S. Sheik Sahib S/o Sheik Mooideen, 20, Pallivasal Muslim St., LALGUDI (Tobacco Merchant).	1. Convicted under Sec. 9(1) (b) (i) of the Central Excise & Salt Act 1944 to undergo R. I. for one year and to pay a fine of Rs. 1000/- in default to suffer R. I. for 3 months by S. D. J. M. (Ariyalur) in C. C. No. 748/75 dated 28-2-76.

(1)	(2)	(3)
2.	(i) Shri K. Md. Ibrahim S/o Kasim Rowther, No. 48, Valayakara St., LALGUDI (Tobacco Merchant). (ii) Shri K. Ameer Batcha, S/o Kasim Rowther, 48, Valayakara St., LALGUDI (Brother & Power Agent)	2. The Deputy Collector, Madurai has also imposed penalty of Rs. 750/- for contravention of Central Excise Rules, 151 & 223 & 223A on the accused and demanded duty on 62331 Kgs. of tobacco found short i. e. Rs. 1,88,649.50. 1. Convicted under Section 9(1) (bb) (i) of the Central Excise & Salt Act, 1944 to undergo R.I. for 2½ years & to pay a fine of Rs. 3,000/- each in default to undergo R. I. for 3 months by the S.D.J.M. Ariyalur in this C. C. 453, 472 & 473/75 dated 4-3-76. 2. The Deputy Collector of Central Excise in his order imposed a Direct penalty of Rs. 750/- for contravention of Rule 151 read with Rule 223 A of the Central Excise Rules on Shri K. Md. Ibrahim and demanded duty on 90,373.1 Kgs of tobacco. (i) Convicted A. 1. & A.2 to pay a fine of Rs. 500/- in default to undergo R. I. for 43 months. & A.3 to pay a fine of Rs.250/-in default to undergo R. I. for 2 months under Sec. 9(1) (bb) of Central Excise and Salt Act 1944 by the S.D.J.M. Dindigul in his C.C. 215/76 dated 26-5-76. (ii) The Deputy Collector imposed a Direct penalty of Rs. 750/- each on A. 1. & A.2 and 100/- on A. 3 for contravention of Rule 32(2), 9(2) & 210 of Central Excise Rules. The tobacco of 3741 Kgs. seized in confiscated to Govt., but allowed redemption on payment of fine of Rs. 2100/- and duty under Rule 9(2) & 32(2) of the Central Excise Rules. The lorry No. M. D. T. 6145 seized is also liable for confiscation Since lorry was not produced as per the terms of provisional release order, the security deposit of Rs. 5000/- appropriated to Govt., towards the value of lorry.
3.	(i) Shri P. Ganapathy Chettiar S/o. Parthasarathy 46, Vallapatti St., Dharmapuri (Tobacco Merchant) (ii) Shri Khader Batcha, S/o Naina Mohamed, 25/4, Pallivasal St., PALANI (Accompanied the transport) (iii) Shri. Muthu Gounder, S/o. Arsamu Gounder, D. No. 12, W.No. 14, Subramania Puram, PALANI (Accompanied the transport).	
4.	Shri. M. A. Abdul Majeed, Tobacco Merchant T.S.No. 3869-South 2nd St., PUDIKOTTAI.	(i) Convicted under Sec. 9(1) (bb) (ii) of Central Excise Act, 1944 to pay a fine of Rs. 1000/- in default to undergo R. I. for 6 months by the C.J.M. Pudikottai in his C.C. 89/76 dt. 23-7-76. (ii) The Collector has imposed a direct Penalty of Rs. 1000/- for violation of Rule 223A of the Central Excise Rules and demanded duty on 5380 Kgs. under Rule 151 & 223A of the Central Excise Rules.

(1)	(2)	(3)
5. (i) Shri S. K. Dhana-Sekaran, S/o. Kadirasa Nadar, General Merchant, UPPATHUR-(Via) NALLI.	(i) Convicted under Sec. 9(1) to undergo imprisonment till rising of the court and item 'No. 1 to pay a fine of Rs. 1000/- and No. 2 to pay a fine of Rs. 500/- in default to suffer R. I. for 2 months & 1 month respectively by the S.D.J.M. Dindigul in his C. C. 290/76 dt. 29-7-76.	
(ii) Shri P. Pandey, Driver Lorry TNU 3423, 465, Palani Road, ODDANCHATRAM.	(ii) The Deputy Collector of Central Excise, Madurai has imposed a Direct penalty of Rs. 750/- on each for violation of Rule 50A of the Central Excise Rules. The Lorry No. TNU. 3423 & 80 Salt bags provisionally released not produced as per the conditions and hence the Sec. deposit of Rs. 5200/- is appropriated to Govt. towards value of the lorry & Salt.	
6. Shri Subbarayalu, S/o Perumal Naidu, Kodangipatti, KULITHACAI.	(i) Convicted under Sec. 9(1) (bb) of Central Excise & Salt Act 1944 read with Rule 144 of the Central Excise Rules to pay a fine of Rs. 1000/- in default to undergo R. I. for 3 months by the JFCM, Kulithalai in his C. C. 271/76 dated 21-7-76.	
	(ii) The Deputy Collector of Central Excise, Madurai has imposed a Direct penalty of Rs. 750/- for violation of Rules 151 & 223 A of the Central Excise Rules and demanded duty on 4968 Kgs. of tobacco i.e. Rs. 14,904/-.	

M. S. SUBRAMANYAM,
Collector

DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 26th February 1977

No. 4/77.—Shri D. G. Mansharamani lately posted as Senior Analyst in the Department of Expenditure (SIU) on his appointment as Senior Analyst in the Directorate of O. & M. Services (Customs & Central Excise) New Delhi, on deputation, assumed charge of the post on 15-2-77 (F.N.).

S. VENKATARAMAN
Director of Inspection

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-22, the 22nd January 1977

No. A-19012/599/76-Adm. V.—The Chairman Central Water Commission is pleased to appoint Shri R. Raghurama Rao, Design Assistant as Extra Assistant Director in the Central Water Commission on a purely temporary and *ad-hoc* basis in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, with effect from the Forenoon of 19th October, 1976, until further orders.

Shri R. Raghurama Rao assumed charge of the office of Extra Assistant Director Canals Directorate in the Central Water Commission with effect from the above date and time.

JASWANT SINGH
Under Secy.
for Chairman, C.W. Commission

CENTRAL GROUND WATER BOARD

Faridabad, the 24th February 1977

No. 3-442/77-Fstt. II.—Shri Tuna Thakur is appointed as Stores Officer, G.C.S. Class B (Gazetted) in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on regular basis w.e.f. 27-1-77 (F.N.) with his Headquarters at Faridabad.

D. PANDEY,
Superintending Engineer

OFFICE OF THE ENGINEER IN CHIEF CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 21st February 1977

No. 1/364/69-ECIX.—Engineer in Chief is pleased to appoint Shri A. K. Sood, a nominee of the UPSC against the temporary post of Assistant Architect (G.C.S. Group B) in the C.P.W.D. on the pay to be fixed according to rules after satisfactory completion of period of probation of two years. For the present he will draw Rs. 650/- p.m. in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 (plus usual allowances) with effect from 21-2-1977 F.N. on the usual terms and conditions.

Shri Sood is placed on probation for period of two years w.e.f. 21-2-1977 F.N. Shri A. K. Sood is posted in SA(NDZ)V.

S. S. P. RAU
Deputy Director of Administration
for Engineer in Chief

MINISTRY OF RAILWAYS RESEARCH DESIGNS & STANDARDS ORGANISATION

Lucknow-11, the 21st February 1977

No. EII/ES/CFM/O/S&T.—Shri Brahma Nand is confirmed in Class II service against a permanent post of Assistant Design Engineer in the Signal and Telecommunication Engineering and Instrumentation Engineering Department of the Research, Designs and Standards Organisation, Lucknow with effect from 12-6-72.

No. EII/ES/CFM/O/S&T-I.—Shri Y. D. Shukla is confirmed in Class II Service against a permanent post of Assistant Research Engineer in the Signal and Telecommunication Engineering and Instrumentation Engineering Department of the Research Designs and Standards Organisation, Lucknow with effect from 20-3-76.

No. EII/ES/CFM/O/S&T/II.—Shri R. P. Singh is confirmed in Class II service against a permanent post of Assistant Research Engineer in the Signal and Telecommunication Engineering and Instrumentation Engineering Department of the Research, Designs and Standards Organisation, Lucknow with effect from 20-3-76.

G. N. BHATTACHARYA,
Director General.

NORTHERN RAILWAY

New Delhi, the 12th January 1977

No. 1.—Following officers of Mechanical Engineering Department of Northern Railway have finally retired from Railway Service from the dates noted against each :—

1. Shri D. R. Saini	Production Engineer	31-12-75
	Charbagh, Lucknow.	A.N.
2. Shri K. C. Sethi	PA to CME HQrs.	31-1-76
	Office.	A.N.
3. Shri R. Sahay	Production Engineer	31-3-76
		A.N.
4. Shri B. M. Sinha	Charbagh, Lucknow,	31-3-76
	Senior Mechanical	A.N.
	Engineer Hd. Qrs.	
	Office.	
5. Shri H. K. Kumaria	Do.	30-6-76
		A.N.
6. Shri J. S. Verma	Do.	31-8-76
		A.N.

S. C. MISRA,
General Manager

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Doshi Parekh Industries Private Limited.*

Ahmedabad, the 26th February 1977

No. 1090/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Doshi Parekh Industries Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

NOTICE UNDER SECTION 445 (2)

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Vijay Commercial and Financial Syndicate Pvt., Ltd.*

The 1st March 1977

No. 1305/Liquidation.—By an order dated 20-12-1976 of the High Court of Gujarat at Ahmedabad in Company Petition No. 40 of 1976, it has been ordered to wind up M/s. Vijay Commercial and Financial Syndicate Pvt. Ltd.

J. G. GATHA
Registrar of Companies
Gujarat

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
Modern Chits and Investo Benefits Private Limited*

Cochin, the 26th February 1977

No. 2233/Liq.—Notice is hereby given pursuant to Section 445(2) of the Companies Act, 1956, that Modern Chits and Investo Benefits Private Limited has been ordered to be wound up by an order dated 12-10-1976 in C.P. No. 15/76 passed by the High Court of Kerala.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
Mannarghat Chit and Investments Private Limited*

Cochin, the 26th February 1977

No. 1881/Liq.—Notice is hereby given pursuant to Section 445(2) of the Companies Act, 1956, that Mannarghat Chit and Investments Private Limited has been ordered to be wound up by an order dated 2-11-1976 in C.P. No. 10/76 passed by the High Court of Kerala.

P. S. ANWAR
Registrar of Companies
Kerala

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
Pilot Paint Aids Mfg. Company Limited*

Bombay-2, the 1st March 1977

No. 15786/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Pilot Paint Aids Mfg. Company Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

Sd. ILLEGIBLE
Registrar of Companies

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 23rd February 1977

Ref. No. 1654/76-77.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Mota Singh Nagar Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur, on Aug. 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

8—506GT/76

(1) Shri Mohinder Singh S/o Sh. Nihal Singh, Village Kang Khurd, Jullundur.
(Transferor)

(2) Shri Satinder Singh, Bhogal S/o Sh. Gurmakh Singh Village Beaspind Tehsil Jullundur.
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 overleaf.
[Person in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 758, 22 Marlas 21 Sq. Feet, Mota Singh Nagar, Jullundur as mentioned in Registration Deed No. 3011 of August 1976 of the Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 23-2-1977

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Atma Ram s/o Sh. Nand Lal s/o Sh. Shanban
Ram R/o Mandi Abohar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sh. Pirthi Singh s/o Sh. Hazari Lal s/o Sh. Ram
Sukh R/o Abohar.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the

1977

*(3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)*(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—Ref. No. ABH/126/76-77.—Whereas, I, V. R. Sagar,
Sagar,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearingNo. Khasra No. 1556 situated at Mandi Abohar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Officer at Abohar, July on 1976for an apparent consideration which is less than the fair market
value of the aforesaid property and I have reason to believe
that the fair market value of the property as aforesaid exceeds
the apparent consideration therefor by more than fifteen per
cent of such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;(b) by any other persons interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/2 share in shop measuring 128 sq. yd. and 3 sq. ft.
Khasra No. 1556 Mandi Abohar as mentioned in the Regis-
tered Deed No. 777 of July 1976 of Registering Authority
Abohar.V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Dated :

Seal :

FORM ITNS—

(1) Sh. Atma Ram s/o Sh. Nand Lal s/o Sh. Shanbhu Ram, r/o Mandi Abohar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the

1977

(2) Sh. Hazari Lal s/o Sh. Ram Sukh s/o Sh. Pura Ram
r/o Mandi Abohar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)(4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned
knows to be interested in the property]Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official
Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.Ref. No. ABH/127/76-77.—Whereas, I, V. R. SAGAR,
SAGAR,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believethat the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Khasra No. 1556, situated at Hindi Abohar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering

Officer at Abohar, July on 1976

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than fif-
teen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer; and/
or(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

THE SCHEDULE

1/2 share in shop measuring 128 sq. yd. and 3 sq. ft.
Khasra No. 1556 Mandi Abohar as mentioned in the Regis-
tered Deed No. 766 of July 1976 of Registering Authority
Abohar.

V. R. SAGAR

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date :

Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Hari Ram S/o Sh. Ralla Ram s/o Sh. Radha Ram, r/o Tarn Taran.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the

1977

(2) M/s Karam Singh, Gopal Singh Arhti D.W.R. Amritsar.
(Dhab Wasti Ram)

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any.
[Person in occupation of the property](4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever, period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. TT/128/76-77.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Khasra No. 500/251 & 506/251 situated at Abadi Tarn Taran, Khata No. 139/164 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tarn Taran, on July 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Land measuring K.M. 1 1-1-157 situated at Abadi Tarn Taran as mentioned in the registered Deed No. 2339 of July 1976 of Registering Authority Tarn Taran.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date :
Seal :

FORM ITNS

- (1) Sh. Hari Ram, Sh. Gurbuz Rai ss/o Sh. Ralla Ram
S/o Sh. Radha Ram, Lal Chand s/o Sh. Radha
Ram R/o Tarn Taran.

(Transferor)

- (2) M/s Karam Singh, Gopal Singh Arhti D.W.R.
Amritsar.
(Dhab Wasti Ram)

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

- (4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned
knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said im-
movable property, within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2-0 K. M. Khasra No. 1005/865 Khata
No. 251/554 situated at Fatiabad T.T. Road Opposite to
store of Pb. Irrigation Deptt. Tarn Taran as mentioned in the
Registered Deed No. 2338 of July 1976 of Registering Autho-
rity, Tarn Taran.

V. R. SAGAR

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Amritsar

Date :

Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the

1977

Ref. No. TT/335/129/76-77.—Whereas, I, V. R.
SAGAR, ..

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

Khasra No. 1005/865 Khata No. 251/554 situated at
Fatiabad T.T. Road Opposite to store of Pb. Irrigation
Deptt., Tarn Taran (and more fully described in the
Schedule annexed hereto), has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Re-
gistering Officer at

Tarn Taran, on July 1976

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Shri Ved Prakash Agarwal

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Usha Singhal

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Swami

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW(4) Swami
(person whom the undersigned knows to be interested in
the property)

Lucknow, the 26th February 1977

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. 22-U/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 164/5 situated at Moh. Nekpur, Civil Line, Bareilly

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Bareilly on 9-7-76

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957, (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

A house No. 164/5 measuring 310 sq. metre. Moh. Nekpur Civil Lines, Bareilly.

A. S. BISEN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Lucknow.

Date : 26-2-1977.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Babni & Chameli.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kusum Devi

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Smt. Babni & Chameli.
(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

(4) 'No'

(person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Lucknow, the 26th February 1977

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. 70-K/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 155 (old) 183 (new) situated at Moh. Gadiwan Tola, Allahabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Allahabad on 2-8-76

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

A house No. 155 (old) 183 (New) Moh. Gadiwan Tola, Allahabad.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. S. BISEN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 26-2-1977.

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 2nd March 1977

Ref. No. Acq./23-1-1192(561)/5-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as in the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1237-A, situated at Swastik Society, Behind Ambawadi Road, Krishnanagar, Bhavnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bhavnagar in July, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Bhanushankar Umiyashankar, Power of Attorney Holder of Sharadchandra Bhanushankar, Plot No. 1237-A, Swastik Society, Ambawadi, Bhavnagar.

(Transferor)

(2) (i) Shri Virjibhai Bhikhabhai Patel,
(ii) Shri Subhashchandar Laljibhai Patel.
(iii) Shri Ghanshyambhai Laljibhai Patel, 1237-A, Ambawadi, Bhavnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An immovable property consisting of ground floor and first floor, and having land admeasuring 1549 sq. yards, bearing Plot No. 1237-A, and situated at Swastik Society, Ambawadi, Bhavnagar.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 2-3-1977.

Seal :

FORM ITNS— —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 2nd March 1977

Ref. No. Acq.23-I-1194 (560)/18-1/75-76.—Whereas, I J. KATHURIA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 8-E situated at Jashwant Baug Land, Dhrangadhra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhrangadhra on 19-8-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

9—506GI/76

- (1) Shri Valamaji Gordhandas Katiya,
- (2) Shri Himatlal Valamji Katiya,
- (3) Shri Mahendra Valamji Katiya, all residing at Devakaran Mansion, 7th Block, 3rd floor, Vallabh-bhai Patel Road, Bombay.

(Transferor)

- (2) (1) Shri Pritamlal Jagjivandas Thakkar,
 - (2) Shri Himatlal Jagjivandas Thakkar,
- Both residing at Swami Narayan Compound, Dhrangadhra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An immovable property known as 'BHAVANI BHAVAN', standing on land admeasuring 400-7½ sq. yards bearing plot No. 8-E, situated at Jashwant Baug Land, Dhrangadhra.

J. KATHURIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 2-3-1977.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III, SMT. KGMP
AYURVED HOSPITAL BLDG. 5TH FLOOR
NETAJI SUBHASH ROAD, BOMBAY-400002

Bombay-400002, the 28th February 1977

Ref. No. AR III/1182/Aug.76.—Whereas, I, M. J. MATHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Survey No. 81, H. No. 2-B(pt.) S. No. 78, H No. 2 and C.T.S. No. 482 (pt.), 484, 488 & 638, Plot No. 2 situated at Borivli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub Registrar's Office, Bombay on 2-8-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Shankarrao Daulatrao Mantri & Smt. Kaveri D. Mantri, 16, Khotachiwadi, Mantri Wadi, V. P. Road, Girgaum. Bombay-4.

(Transferors)

(2) (1) Shri Mathalal B. Delvadia (2) Shri Bhagwanji D. Patel, (3) Premji Makan Patel (4) Smt. Premiben J. Patel (5) Smt. Savitaben M. Patel (6) Kum. Godavariben P. Patel, C/o M/s. Atul Builders, 603, Churchgate Chambers, New Marine Lines, Bombay-20.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of land or ground situated at Chandavarkar Road, Borivli in the Revenue Village of Borivli within the registration sub-District of Bombay City District Bombay suburban and admeasuring 3624.55 sq. yds. i.e. 3031.77 sq. metres or thereabouts bearing sub-divided plot No. 2 and being a portion of lands described in the First Schedule hereinabove written and bearing Survey No. 81, Hissa No. 2-B (part), Survey No. 78, Hissa No. 2 and bearing City Survey Nos. 482 (part) 484, 488 and 638 and bounded as follows :—that is to say On or towards the North by land being sub-divided plot No. 3 of the said sub-division, On or towards the South by land being sub-divided plot No. 1 of the said sub-division, On or towards the East by lands bearing City Survey Nos. 482 (part) and 483 (part) and on towards the West by lands bearing City Survey Nos. 489 (part) 490, 491, 492.

M. J. MATHAN.

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay.

Date : 28-2-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III, SMT. KGMP
AYURVED HOSPITAL BLDG. 5TH FLOOR
NETAJI SUBHASH ROAD, BOMBAY-400002

Bombay-400002, the 28th February 1977

Ref No. AR.III/1183/Aug.76.—Whereas, I,
M. J. MATHAN,
being the Competent Authority
under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of
1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason
to believe that the immovable property having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing,
Survey No. 81, H. No. 2-B (pt.) S. No. 78, H. No. 2
(pt.) S. No. 82, H. No. 2 & C.T.S. No. 482 (pt.) 484, 488
& 638, Plot No. 1 situated at Borivli
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer
at Sub Registrar's Office, Bombay, on 2-8-1976
for an apparent consideration which is
less than the fair market value of the aforesaid property and
I have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Shankerrao Daulatrao Mantri, & Smt. Kaveri D. Mantri, 16, Khotachiwadi, V. P. Road, Mantri House, Girgaum, Bombay-4.
(Transferors)

(2) (1) Shri Raghavji P. Patel (2) Shri Vinod L. Patel (3) Smt. Shantiben P. Patel of M/s. Rajesh Construction Co., 603, Churchgate Chambers, 5, New Marine Lines, Bombay-20.
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of land or ground situate at Chandavarkar Road, Borivli in the Revenue Village of Borivli, within the Registration Sub-District of Bombay City, District Bombay Suburban and admeasuring 3625.11 sq. yds. i.e., 3032.23 square metres or thereabouts bearing sub-divided Plot No. 1 and being a portion of the lands described in the First Schedule hereunder written and bearing Survey No. 81, Hissa No. 2-B (Part) Survey No. 78, Hissa No. 2(part) and Survey No. 82, Hissa No. 2 and bearing City Survey Nos. 482 (part), 484, 488 and 638 and bounded as follows : that it is to say on or towards the North by land being sub-divided Plot No. 2 of the said sub-division, On or towards the South by Chandavarkar Road, On or towards the East by 22 feet wide access Road, being a portion of land described in the First Schedule hereinabove written and beyond that lands bearing City Survey Nos. 483 (part) and 481 and On or towards the West by lands bearing City Survey Nos 493 to 497.

M. J. MATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay.

Date : 28-2-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, SMT. KGMP
AYURVED HOSPITAL BLDG. 5TH FLOOR,
NETAJI SUBHASH ROAD, BOMBAY-400002

Bombay-400002, the 28th February 1977

Ref. No. AR. III/1184/Aug.76.—Whereas, I, M. J. MATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 81, H. No. 2B(pt.) S. No. 78, H. No. 2(pt.), S. No. 82, H. No. 2 & C.T.S. No. 482 (pt.), 484, 488 & 638, Plot No. 3 situated at Borivli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Sub Registrar's Office, Bombay on 2-8-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Shankerrao Daulatrao Mantri & Smt. Kaveri D. Mantri, 16, Khotachi Wadi, V. P. Road, Mantri House, Girgaum, Bombay-4.

(Transferors)

(2) (1) Shri Keshavji P. Shah (2) Shri Nalinkant K. Shah (3) Shri Khimji P. Shah (4) Shri Vrajlal Umarshi of M/s. New Lite Construction Co., St. Paul Street, Behind Hind Mata Cinema, Dadar, Bombay-14.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of land or ground situate at Chandavarkar Road, Borivli, in the Revenue Village of Borivli, within the Registration Sub-District of Bombay City, District Bombay Suburban and admeasuring 3107.10 sq. yds. i.e. 2598.90 sq. metres or thereabouts bearing Sub-divided Plot No. 3 and being a portion of lands described in the First Schedule hereinabove written and bearing Survey No. 81, Hissa No. 2B (part), Survey No. 78, Hissa No. 2 (part) and Survey No. 82, Hissa No. 2 and bearing City Survey Nos. 482 (part), 484, 488 and 638 and bounded as follows: on or towards the North by Sodawala Lane, On or towards the South by land being Sub-divided Plot No. 2 of the said Sub-division, On or towards the East by lands bearing City Survey Nos. 485 and 482 (part), and On or towards the West by lands bearing City Survey No. 489 (part).

M. J. MATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay.

Date : 28-2-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Amulya Charan Dutta

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Biva Ghosh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calcutta, the 2nd March 1977

Ref. No. TR-66/C-62/CAL-1/76-77.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4, situated at Chattawalla Gully, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Calcutta on 11-8-76

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Partly one and partly two storeyed building covering an area of land 2 cottahs 9 chittack 31 sq. ft. more or less at 4, Chattawalla Gully, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Date : 2-3-1977.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 1st March 1977

Ref. No. RAC No. 228/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-7-637/5 & 5-7-637/1-A situated at Gandhi Gunj Nizamabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nizamabad on 4-8-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilities the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Laskhmi Bai, W/o Mohanlal, 2. Smt. Leela Bai, W/o Shankarlal, R/o Osmangunj, Hyderabad.

(Transferors)

- (2) The Nizamabad Cloth Merchant Association, President Sri. Mukha Chendrasekar Gupta, Gandhi Gunj, Nizamabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing M. No. 5-7-637/5 and 5-7-637/1-A situated at Gandhi Gunj, Nizamabad, Registered in the office of the Joint Sub-Registrar Nizamabad vide Doc. No. 1758/76.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 1-3-1977
Seal :

FORM ITNS

1. Shri Chandra Singh Kishan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)2. (1) Narayan Prasad Bagdia,
(2) Sankar Prasad Bagdia.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, 9, FOREST PARK

Bhubaneswar-9, the 28th February 1977

Ref. No. 39/76-77/IAC(A/R)BBSR.—Whereas, I, A. N. MISRA, being the competent Authority under section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 187, 188 situated at Brahmani Tarang (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panposh on 17-9-76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The land is situated at Plot No. 187 and 188 in the village Brahmani Tarang, P.S. Kulunga, Dist. Sundergarh under the jurisdiction of Sub-Registrar, Panposh and registered by sale document No. 888 dated 17-9-76.

A. N. MISRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhubaneswar.

Date : 28-2-77

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shrimati Kanchan Samal, W/o Govind Samal,
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Moningi Sibaji

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, 9, FOREST PARK

Bhubaneswar-9, the 28th February 1977

Ref. No. 40/76-77/IAC(A/RBBSR.—Whereas, I, A. N. MISRA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Patta No. 53 situated at Bhapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Berhampur (town) on 3 July 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The land is situated in the village Bhapur, Berhampur town under the jurisdiction of Sub-Registrar, Berhampur town and registered by sale document No. 1958 dated 3-7-76.

A. N. MISRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhubaneswar.

Date : 28-2-77

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madrass-6, the 28th February 1977

Ref. No. 2964/76-77.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. Nos. 50-B, 52, 53, 54, 55 and 50A, situated at Sathamugai village, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sathyamangalam (Doc. No. 1220/76) on 11-6-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Rajeswari
W/o Shri C. M. Ramamirtham; and
Sayi Krishnakumar (Minor)
(Minor represented by guardian Shri C. N. Manickam Chettiar)
No. 54, Tiruvankadasamy Road,
R. S. Puram,
Coimbatore.

(Transferor)

- (2) Shri K. Kalisamy
S/o Shri Karuppusamy
Gajalakshmi Mill Stores
Main Road
Somanur
Palladam Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Village : Sathamugai	S. Nos.	Extent	
		Acre-Cent	
	50-B	2	10
	52	0	31
	53	0	67
	54	0	54
	55	0	57
		4	19
	50-A (Path)	0	09
		4	28
	Oil Engine—1/2 share		
	Farm house etc.		
	5 H.P. Motor—1/2 share;		
	Well—1/2 share.		

S. RAJARATNAM,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Madrass-6

Date : 28-2-77.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 28th February 1977

Ref. No. F.2965/76-77.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. Nos. 51 & 50-A, situated at Sathamugai village (5.76 acres) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sathyamangalam (Doc. No. 1219/76) on 11-6-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sayi Krishnakumar (Minor)
S/o Shri C. M. Ramamirtham
(Minor represented by guardian Shri C. N. Manickam Chettiar).
No. 54, Tiruvenkadasamy Road
R. S. Puram, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Shri K. Karupusami
S/o Shri Karuppusamy
Lakshmi Cloth Stores
Main Road
Somanur
Palladam Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Sathamugai village :

S. No.

51
50-A (Path)

Extent
Acre-Cent
5—67
0—09

5—76

Oil Engine—1/2 share
Farm house etc.
5 H. P. Motor—1/2 share.
Well—1/2 share.

S. RAJARATNAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Madras-6

Date : 28-2-77,
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 28th February 1977

Ref. No. 2966/76-77.—Whereas, I. S. RAJARATNAM, being the competent authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. Nos. 115, 123 & 161, situated at Ikkarai Thatthapalli (11.16 acres, 2 Wells, Pump Sets, etc.) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sathyamangalam (Doc. No. 1125/76) on 9-6-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri S. Venkatesalu Naidu & Smt. Indrani,
C/o M/s. Selvam & Co.
Hardware Merchants
80, Mysore Trunk Road, Sathyamangalam.

(Transferor)

(2) Shri V. N. Subbian & Shri V. N. Chinnasamy
S/o Nanja Kutty Gounder
Naicker Thottam
Ikkarai Thatthapalli
Sathyamangalam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Village : Ikkaraitthapalli.

S. Nos.

161

123

115

Total

Extent
Acre-Cent

5 91

2 75

2 50

11 16 &

2 Wells in S. No. 115 & 2 Pump Sets, etc.
(Document No. 1125/76—Sathyamangalam).

S. RAJARATNAM

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-II

Madras-6

Date : 28-2-77

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Smt. Kamalammal
W/o Late Shri M. P. Nanjappa Chettiar
No. 16/68, Lingappa Chetty Lane
Coimbatore-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 28th February 1977

Ref. No. 4014/76-77.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 16/56-57, situated at Sukrawarpet, Coimbatore-1

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at JSR III Coimbatore (Doc. No. 1778/76) on 2-6-1976, for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (2) Shri M. Venkataraman Chettiar;
N. V. Malli Chettiar;
N. V. Venkataraman;
N. V. Subramanian;
No. 16/31 V. C. V. Layout Road,
Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2387 Sft. (with building) situated at Door No. 16/56-57 Sukrawarpet, Coimbatore.
(New T. S. No. 7/3368).

S. RAJARATNAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-6

Date : 28-2-77

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Smt. R. Dhanam
W/o Late Shri C. V. Chellamuthu
No. 61, Ramachandra Road
R. S. Puram, Coimbatore-2.

(Transferor)

- (2) Shri Laxmichand Devraj
Mrs. Shanta Laxmichand
No. 11/16-A, D. B. Road, R. S. Puram
Coimbatore-2.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 28th February 1977

Ref. No. 4015/76-77.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 28/25, situated at West Ponnurangam Road, R. S. Puram, Coimbatore-2

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR III Coimbatore (Doc. No. 1822/76) on 7-6-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 8820 Sq. ft. (with building) situated at Door No. 28/25, West Ponnurangam Road, R. S. Puram, Coimbatore (New T. S. No. 244).

S. RAJARATNAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 28-2-77

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 28th February 1977

Ref. No. F.4016/76-77.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 29/57-58, situated at Ramalingam Road, R. S. Puram, Coimbatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR III Coimbatore (Doc. No. 1855/76) on 9-6-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Dr. (Mrs.) C. P. Umaparvathy
W/o Shri R. S. Ramanatha Mudaliar,
No. 4-103, East Garden Road,
Salem.

(Transferor)

(2) Shri D. K. Devadoss
S/o Shri Kaveri Chettiar
No. 40, Teppakulam Street No. 1,
Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Land measuring 7920 Sq. ft. (with building) situated at Door No. 29/57-58 (West) Ramalingam Road, R. S. Puram, Coimbatore (New T. S. No. 7/41) (Asstt. No. 44263) (Document No. 1855/76).

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. RAJARATNAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 28-2-1977
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 28th February 1977

Ref. No. 4020/76-77.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing T.S. No. 1/295, situated at Anupparpalayam village, Coimbatore (15 cents of vacant site) and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR III Coimbatore (Doc. No. 2263/76) on June 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. D. Padmavathy
W/o Shri G. V. Doraisamy Naidu
Peelamedu, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Shri V. A. Bharathraj
S/o Shri V. V. Arunachalam Chettiar
14/28, Oppanakkara St.
Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

15 cents of vacant site bearing T.S. No. 1/295 situated at Anupparpalayam village, Coimbatore (A. T. T. Colony, Coimbatore-18). (Doc. No. 2263/76).

S. RAJARATNAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-6.

Date : 28-2-1977

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Smt. D. Padmavathiammal
W/o Shri G. V. Doraisamy Naidu
Peclamedu, Coimbatore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madrass-6, the 28th February 1977

Ref. No. 4021/76-77.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing T.S. No. 1/295, situated at Anupperpalayam village, Coimbatore (land measuring 15 cents) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at JSR III Coimbatore (Doc. 2264/76) on June 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

15 cents of vacant site bearing T.S. No. 1/295 situated at Anupperpalayam village, Coimbatore. Document No. 2264/76.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

S. RAJARATNAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-II
Madrass-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

Date : 28-2-1977.
Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 28th February 1977

Ref. No. 11/AUG/76-77.—Whereas, I. G. RAMANATHAN,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 175 & 176/1, situated at Konganapuram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Namakkal (Doc. No. 418/76) on August 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

12—506GI/76

(1) Shri Sakthival (minor) by mother & guardian Smt. Parvatham Rangasamy, Sivakami Sadhanam, Rangampalayam, Konganapuram village, Salem district. (Transferee)

(2) Shri P. Selvaraj (minor) by mother & guardian Smt. Perumayce Ammal, Rangampalayam, Konganapuram village, Salem district. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 3 acres in Sur. No. 175 and undivided half share in land measuring 10 cents and well with 5 HP motor pump set in Sur. No. 176/1, Konganapuram village, Salem district.

G RAMANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Madras-6.

Date : 28-2-1977
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 28th February 1977

Ref. No. 19/SEPT/76-77.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 108/2, situated at Kulasekharanallur village, Aruppukottai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Aruppukottai (Doc. No. 1101/86) on September, 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Sundarammal, W/o C. Ramiah Thevar;
2. Shri Palani alias Suryamurthi (minor); } minors by mother & guardian Smt. Sundarammal;
3. Miss Vellaiammal (minor) }
4. Shri Subbiah Thevar,
5. Miss Lingammal } minors by father guardian Shri Subbiah
6. Pitchaikuni } Thavar
7. Palanikumar }
Kulasekharanallur village, Aruppukottai.

(Transferors)

- (2) Shri Baskaran,
S/o Sethurakku Pillai,
No. 7, Nagalingam Pillai Street,
Tiruchuzhi Road, Aruppukottai town

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 7 acres and 82 cents (with well and palm trees), in Sur. No. 108/2, Kulasekharanallur village, Aruppukottai.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 28-2-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 28th February 1977

Ref. No. 22/AUG/76-77.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Pudupatti Village, Uthamapalayam taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Uthamapalayam (Doc. No. 1630/76) on August, 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri S. Thangiah Pillai,
S/o Shri Shanmugham Pillai,
Pudupatti, Uthamapalayam taluk.

(Transferor)

(2) Shri S. Fareedkhhan,
S/o Shri P. Syed Mohamed Rowther,
Uthamapalayam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Agricultural land measuring 2 acres and $91\frac{7}{12}$ cents in Survey Nos. 181/1 (1 acre), 182/1A (0.08 acre), 217/2B (0.62 acre), 217/3 (0.32 acre), 182/2 (0.06 $\frac{7}{12}$ acre), 218/2 (0.79 acre) and 221/2 (0.04 acre) at Pudupatti village, Uthamapalayam taluk.G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-2-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 28th February, 1977

Ref. No. 59/JULY/76-77.—Whereas, I, G.

RAMANATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 110, 111, 113, 109B, 109C, situated at 109 & 109A, Namakkal Road Street, Tiruchengode (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tiruchengode (Doc. No. 1250/76) on 7-7-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Sadachi Ammal, W/o Sengoda Mudaliar,
2. Shri Kunjain alias Ardhanari, S/o Sengoda Mudaliar,
3. Shri Ilango (minor) by father & guardian Sl. No. 2,
4. Smt. Alamelu Ammal, W/o late Subramaniam,
5. Shri Palanivelu (minor) by mother & guardian Sl. No. 4,
6. Smt. Parvathi Ammal, W/o Pusari Angamuthu Mudalirar, Chinnappanaickenpalayam, Komarapalayam, Tiruchengode.
7. Smt. Kunjammal, W/o Palaniappa Mudaliar, Ramachandra, Mudali Street, Salem.
(Transferors)
- (2) Shri S. V. Madurai, S/o Veerappa Chettiar, No. 116, Namakkal Road Street, Tiruchengode.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3,000 sq. ft. with building thereon at door Nos. 110, 111, 113, 109B, 109C, 109 & 109A, Namakkal Road Street, Ward No. 10, Tiruchengode.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras 6.

Date : 28-2-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. O. K. Engineering Co., rep. by partner Shri A. Abbas, No. 26, Arumachala Achari Street, Salem-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri C. A. Basheer Ahmed, Plot No. 1, T. S. No. 106/5, A.V.K. Nagar, Alagapuram, Salem.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 28th February 1977

Ref. No. 66/JULY/76-77.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 1, T.S. 106/5, situated at A.V.K. Nagar, Alagapuram Salem (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Salem (Doc. No. 2095/76) on JULY 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 6,000 sq. ft. with building thereon at plot No. 1, T. S. No. 106/5, A.V.K. Nagar, Alagapuram, Salem.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 28-2-1977.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madrass-6, the 28th February 1977

Ref. No. 70/JULY/76-77.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. T. S. No. 2/2M, situated at Vanniarkula Kshatriar Street, Salem town (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Salem (Doc. No. 2059/76) on JULY 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Kannupillai alias Parvathi Ammal, W/o Shri Dharmalingam, No. 1, New Street, Kichipalayam, Salem.

(Transferor)

(2) Shri R. Mohan, S/o Ramachandra Chettiar, No. 2, Kumara Mudali Street, Salem.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land measuring 1,840 sq. ft. in new T. S. 2/2M Block 11, 'K' Ward, Vanniarkula Kshatriar Street, Salem.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 28-2-1977.

Seal :

FORM ITNS— —

(1) Smt. Kamalammal, W/o Shri Chidambaram, No. 1, New Street, Kichipalayam, Salem.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri R. Mohan, No 2, Kumara Mudali Street, Salem.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Madras-6, the 28th February 1977

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 71/JULY/76-77.—Whereas, I, G. RAMANATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2/2M, situated at Vanniakula Kshatriar Street, Salem (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Salem (Doc. No. 2060/76) on JUNE, 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Vacant land measuring 1,840 sq. ft. in new T. S. No. 2/2M, Block 11, 'K' Ward, Vanniakula Kshatriar Street, Salem.

G. RAMANATHAN,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-2-1977.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 28th February 1977

Ref. No. 72/JULY/76-77.—Whereas, I. G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 100 situated at Nachanampatti, Salem district (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Omalur (Doc. No. 1286/76) and JULY, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

(1) 1. Shri S. Ramasamy,
2. Shri R. V. Prasad (minor) by father & guardian
Shri Ramasamy E-81, North 5th Street, I.T.I.
Colony, Dhoooravani Nagar, Bangalore City.
(Transferors)

(2) M/s Muthu Goundar & Manickam, sons of Chinna Goundar, Nachanampatti village, Omalur taluk, Salem district.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 4 acres and 16 cents in survey No. 100, Nachanampatti village, Omalur taluk, Salem district (with one well).

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 28-2-1977.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 25th February 1977

Ref. No. Acq. File No. 385 I. No. (KR)/43.—Whereas, I, K. SUBBARAO,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. RS. Nos. 377/1, 377/2 & 738/3 situated at Katuru Village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vuyyuru on 30-7-1976

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Katuri Vijaya Saradhi, S/o Venkateswararao,
2. K. Anandachala Ramana } Minors by guardian
3. K. Venkateswararao father of K. Vijayasaradhi
Shantipuram, VISAKHAPATNAM.

(Transferors)

- (2) Shri Nadakuduru Venkatanarasayya, Katuru (P.O.)
Krishna Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule of property as detailed in Doc. No. 2912/76 registered before the Sub-Registrar, Vuyyuru during the fortnight ended on 31-7-1977.

K. SUBBARAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 25-2-1977.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri Venkateswara Iyer

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Pennamma

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, M. G. ROAD, ERNAKULAM
COCHIN-682016

Ernakulam, the 2nd March 1977

Ref. No. L.C. No. 125/76-77.—Whereas, I, S. N. CHANDRACHOODAN NAIR being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per schedule, situated at Trichur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trichur on 14-6-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

5½ cents of land with buildings in Sy. No. 1455/3 of Trichur Town.

S. N. CHANDRACHOODAN NAIR,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Date : 2-3-1977
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri Sankara Narayanan

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Pennamma

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, M. G. ROAD, ERNAKULAM
COCHIN-682016

Ernakulam, the 2nd March 1977

Ref. No. L.C. No. 126/76-77.—Whereas, I, S. N. CHANDRACHOODAN NAIR being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per schedule situated at Trichur Town (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trichur on 14-6-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

5½ cents of land with buildings in Sy. No. 1455/3 of Trichur Town.

S. N. CHANDRACHOODAN NAIR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Date : 2-3-1977
Seal :

